‘‘चित्रकूट जनपद में संचालित ‘‘जल जीवन मिशन’’ योजना के अंतर्गत ‘‘हर घर नल–हर घर जल’’ परियोजना के प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्रस्तुत प्रतिवेदन’’

सर्वेक्षक संस्था

समाज कार्य विभाग,
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी (उ0प्र0)

सर्वेक्षक

डॉ0 यतीन्द्र मिश्र
विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग एवं मुख्य सर्वेक्षक (परियोजना)

एवं

गठित टीम (सर्वेक्षक एवं शोध छात्र)
डॉ0 बी.आर. अम्बेडकर, समाज विज्ञान संस्थान, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी

(सन् 2024)

विषय-सूची

क्रम	ग्राम/ग्राम पंचायत, वि0ख0 एवं जनपद	पृ0सं0
1.	ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट	1-21
2.	ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट	22-34
3.	ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट	35-47
4.	ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट	48-60
5.	ग्राम बरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट	61-75
6.	ग्राम राम टेकवा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट	76-90
7.	ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट	91-106
8.	ग्राम मानिकपुर रूरल, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट	107-119
9.	ग्राम सरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट	120-131
10.	ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट	132-144
	संलग्नक– 1. साक्षात्कार अनुसूची	

ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट

प्रापक–

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,

नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग,

किसान बाजार, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ।

प्रेषक–

विभागाध्यक्ष,

समाज कार्य विभाग,

बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी।

विषय– *''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना से बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत चित्रकूट जनपद से चयनित कुल 10 ग्रामों के ग्रामवार प्रभाव आकलन का प्रतिवेदन।*

1.0 विषय परिचय

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2019 के केन्दीय बजट में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को नल से स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करने उद्देश्य से ''जल जीवन मिशन'' योजना की घोषणा की गयी थी, जिसकी शुरूआत 15 अगस्त,

2019 को माननीय श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गयी। भारत सरकार द्वारा योजना के उद्देश्यों को वर्ष 2024 तक प्राप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा भारत के प्रत्येक ग्रामीण परिवार में स्वच्छ पेयजल की पहुँच

सुनिश्चित करने हेतु नल का कनेक्शन दिये जाने तथा उस नल से प्रत्येक परिवार के प्रति सदस्य को प्रतिदिन कम–से–कम 55 लीटर स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्र में नल से पानी की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अनेक कार्य किये जा रहे हैं, जैसे– जल संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देना, पेयजल स्त्रोतों को मजबूत बनाना, ग्रे जल उपचार, नल से जल की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान, विकास एवं नवाचार को बढ़ावा देना आदि। केन्द्र और राज्यों के बीच वित्तपोषण स्वरूप हिमालयन तथा उत्तर–पूर्वी राज्यों के लिए 90:10, अन्य राज्यों के लिए 50:50 है तथा केन्द्र शासित प्रदेशों के मामले में शत–प्रतिशत योगदान केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है।

2.0 साहित्य अवलोकन

किसी–भी राष्ट्र में स्वस्थ एवं कुशल मानव संसाधन के निर्माण के लिए यह आवश्यक है कि उस राष्ट्र में निवास करने वाले लोग निरोग एवं स्वस्थ हों। स्वस्थ मानव संसाधन के निर्माण में संतुलित आहार एवं स्वच्छ पेयजल की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है। मनुष्य की कार्य क्षमता का सम्पूर्ण दोहन करने के लिए अत्यावश्यक है कि उसका स्वास्थ्य अच्छा हो। मानसिक विकास का स्वास्थ्य से सीधा संबंध होता है। सतत् विकास लक्ष्यों में भी अच्छा स्वास्थ्य एवं खुशहाली को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है जिसे वर्ष 2030 तक प्राप्त करने का लक्ष्य वैश्विक समुदाय द्वारा रखा गया है। सम्पूर्ण स्वास्थ्य की प्राप्ति जिसमें शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य सम्मिलित है, की

कल्पना स्वच्छ पेयजल के अभाव में नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–21 के अंतर्गत गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भारत के प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है। इसमें स्वच्छ पेयजल का अधिकार भी एक मौलिक अधिकार के रूप में समाहित है। इसलिए सरकार का दायित्त्व है कि वह वंचित ग्रामीण आबादी तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करे, ताकि उनके जीवन स्तर में सुधारात्मक बदलावों को प्रेरित किया जा सके। यदि उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र की बात की जाये, तो यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही जल संकट का सामना करता रहा है। यहां पर औसत वार्षिक वर्षा बहुत कम होती है। यहां अधिकांश वर्षा दक्षिण–पश्चिम मानसून द्वारा जुलाई से सितंबर माह के मध्य होती है। पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्र होने के कारण भूजल स्तर बहुत नीचे है। जल संकट ने यहां के जीवन को दुष्कर बनाया हुआ है। पर्याप्त एवं शुद्ध जल की कमी ने यहां के लोगों के समक्ष गंभीर जल संकट उत्पन्न किया है जिसका समाधान नितांत आवश्यक है। जल संकट के समाधान एवं प्रत्येक ग्रामीण परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार द्वारा ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घल नल–हर घर जल'' परियोजना संचालित की जा रही है, ताकि जल संकट के समाधान के साथ–साथ आरोग्य की प्राप्ति एवं लैंगिक समानता तथा सतत् कृषि के लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं को भी आच्छादित किया जा सके।

3.0 प्रभाव आकलन का उद्देश्य

1. ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत चित्रकूट जनपद के विकास खण्ड रामनगर के ग्राम देऊँधा में ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना के प्रभाव का आकलन।
2. ''हर घल नल–हर घर जल'' योजना क्रियान्वयन द्वारा ग्राम देऊँधा में निवासित ग्रामीण जन के सामाजिक–आर्थिक, शैक्षिक तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक व्यवहार तथा महिलाओं के जीवन–स्तर में आये बदलाव की स्थिति का अध्ययन।

4.0 प्रभाव आकलन की उपकल्पना

1. राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा संचालित योजना ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में कृत कार्य से लोगों के जीवन स्तर में बदलाव आया है
2. ग्राम देऊँधा में निवासित लोगों के स्वास्थ्य स्तर में व्यापक स्तर पर सुधार हुआ है।
3. परियोजना के संचालन से ग्रामीण जन के सामाजिक–आर्थिक एवं शैक्षिक स्थितियों तथा महिलाओं के जीवन–स्तर में बदलाव हुआ है।
4. परियोजना के संचालन से सामाजिक मनोवृत्ति एवं सामाजिक व्यवहार में बदलाव आया है।

5.0 अध्ययन की प्रणाली एवं उपकरण

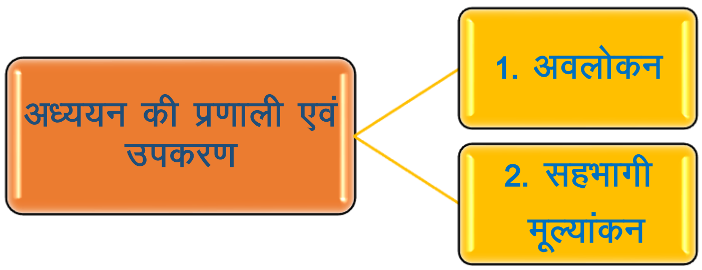

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम देऊँधा, विकास

खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

6.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती मीना देवी से परिचर्चा करके ग्राम देऊँधा के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान से बात करके देऊँधा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम देऊँधा में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री एवं ए.एन.एम. से भी बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा

करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

7.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम देऊँधा की कुल आबादी–2500 है एवं कुल परिवारों की संख्या–360 तथा मतदाताओं की संख्या–1600 है। ग्राम में जातीय बहुलता यादव एवं निषाद जाति के

लोगों की है। ग्राम देऊँधा में नल कनेक्शन स्कोप–383 है जिसके सापेक्ष 383 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। ग्राम में योजनांतर्गत लगे हुए नल बेहतर स्थिति में हैं।

8.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

देऊँधा ग्राम में कुल लगभग 300 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 250 हेक्टेयर जमीन उपजाऊ है जिसमें कृषि कार्य किया जाता है। हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से आजीविका प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव में अथवा आस–पास छोटे–मोटे काम करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

9.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर में कुल दो प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों के नाम श्री संतोष कुमार एवं श्री मूलचंद है। उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्या का नाम श्रीमती कामेश्वरी देवी है। उक्त

विद्यालयों में कुल 1000 विद्यार्थी नामांकित हैं। सभी विद्यालय ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त हैं। उक्त विद्यालयों में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं। उल्लेखित विद्यालयों में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात समुचित पाया गया।

10.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। देऊँधा ग्राम की कुल जनसंख्या 2500 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 2500/10 = 250 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 125 महिला एवं 125 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में देऊँधा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

11.0 समाविष्ट के मानदण्ड

देऊँधा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

12.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि देऊँधा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

13.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम देऊँधा विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

13.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम देऊँधा में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। कुल 125 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिला न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड के अंतर्गत किये गये विश्लेषण का विवरण इस प्रकार से है– अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना के संचालन के बाद से गांव के प्रत्येक परिवार को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है जिसके कारण महिलाओं पर जल संग्रह का बोझ कम हुआ है। 100 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि योजना के तहत आपूर्ति किया जाने वाला जल स्वच्छ होता है जिसके कारण सभी लोग नियमित रूप से पेयजल के रूप में इसका उपयोग कर रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित सभी 100 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण दूषित पेयजल से छुटकारा मिला है जिसके कारण बीमारियों में कमी आयी है, परिणामस्वरूप महिलाओं का स्वास्थ्य पूर्व की अपेक्षा बेहतर हुआ है, साथ ही इलाज पर होने वाले खर्च में भी कमी आयी है जिसके कारण धन की भी बचत हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब घर में ही जल उपलब्ध हो जाने के कारण जल संग्रह पर लगने वाला समय कम हुआ है जिसके कारण वह अपने बचे हुए समय का उपयोग बच्चों की परवरिश एवं परिवार की देखभाल तथा खेती–किसानी एवं अन्य उत्पादक कार्यों में कर रही हैं। 95 प्रतिशत

महिलाओं ने स्वीकार किया कि वर्णित योजना के कारण आय उत्पादक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है जिसके कारण वह दैनिक खर्चों के लिए आत्मनिर्भर हुई हैं, जिससे उनका सम्मान परिवार एवं समाज में बढ़ा है। 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण उनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार आया है जिसके कारण उनकी कार्य क्षमता में बढ़ोत्तरी होने से कार्य प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है। 96 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि जल की उपलब्धता के कारण शौचालयों में पर्याप्त पानी रहता है जिसके कारण वह नियमित रूप से उसका उपयोग कर रही हैं जिससे उनके सम्मान एवं सुरक्षा में वृद्धि हुई है, साथ ही गंदगी से फैलने वाली बीमारियों में भी कमी आयी है। महिलाओं की भूमिका परिवार में बढ़ने के कारण वह स्वयं का निर्णय लेने में समर्थ हुई हैं। योजना द्वारा महिलाओं में आत्म–सम्मान का भाव आया है, महिलायें सशक्त एवं स्वावलंबी हुई हैं। ग्राम देऊँधा में निवासित महिलाओं में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

13.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

प्रस्तुत अध्ययन के इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम देऊँधा में शिक्षा के क्षेत्र में आये बदलावों संबंधी विवरण को प्रस्तुत किया गया है। ग्राम देऊँधा में दो प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित है जिनमें कुल 1000 विद्यार्थी नामांकित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से बातचीत करने पर 93 प्रतिशत अध्ययन की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना के संचालन के बाद से गांव के लोगों में शिक्षा के प्रति चेतना एवं जागरूकता का विकास हुआ है और वह अपने बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि गांव के सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय भेजे जा रहे हैं। उत्तरदाताओं ने यह भी बातया कि विद्यालय में पठन–पाठन का अच्छा परिवेश

बच्चों को मिल रहा है और अध्यापक भी बच्चों को अच्छे से पढ़ा रहे हैं। गांव के कुछ लोगों ने यह भी बताया कि विद्यालय के शिक्षक समय–समय पर अभिभावकों से बच्चों की शैक्षिक प्रगति से अवगत करा रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार ने बताया कि विद्यालय में बच्चों के नामांकन में वर्णित योजना के बाद से सुधार

देखा गया है और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण बच्चे नियमित रूप से विद्यालय आ रहे हैं और पूरे समय रूककर पढ़ाई भी कर रहे हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कामेश्वरी देवी ने बताया कि बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आने के कारण उनकी बोध क्षमता में सुधार हुआ है और वह पढ़ाये गये पाठ को अच्छे से कंठस्थ कर पा रहे हैं। अवलोकन में पाया गया कि ग्राम में शिक्षा की स्थिति अच्छी है। गांव के अधिकतर लोग शिक्षित हैं और उनमें शिक्षा के प्रति जागरूकता भी है। स्वास्थ्य स्तर में सुधार आने के कारण बच्चों की शिक्षा में अधिक सुधार देखा गया है। बच्चियां भी नियमित रूप से विद्यालय जा रही हैं और अभिभावक भी बच्चियों की शिक्षा को उतना ही महत्त्व दे रहे हैं, जितना कि बेटों के। इस प्रकार से यह कहना समीचीन होगा कि वर्णित योजना द्वारा ग्राम देऊँधा में शिक्षा के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर कार्य किया गया है जिसके कारण शिक्षा की स्थिति में रूपांतरकारी बदलाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

13.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

स्वास्थ्य संबंधी स्थितियों के संबंध में उत्तरदाताओं से चर्चा करने पर 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से उनके स्वास्थ्य में सुधार आया है। अध्ययन में सम्मिलित सभी न्यादर्श की इकाइयों ने स्वीकार किया कि वर्णित योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है जिसके कारण उनके स्वास्थ्य में सुधार होने से

इलाज पर होने वाले खर्चों में कमी आयी है। 97 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि योजना के कारण उनके शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार हुआ है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण डायरिया, पेचिस एवं दस्त जैसी बीमारियों का शमन हुआ है। लोगों ने बताया कि अब यदा–कदा

ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत लोगों ने बताया कि जल उपलब्धता के कारण शौचालय कार्यात्मक स्थिति में आ गये हैं जिसके कारण सभी लोग नियमित रूप से उसका प्रयोग कर रहे हैं, परिणामस्वरूप मक्खियों से फैलने वाली बीमारियों में कमी आयी है। ग्राम प्रधान मीना देवी के अनुसार सभी घर में शौचालय स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बने हुये हैं। पहले जल के अभाव के कारण सभी लोग शौचालय में नहीं जाते थे, लेकिन अब ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा जल

उपलब्ध होने के कारण परिवार के सभी लोग शौचालय का प्रयोग कर रहे हैं जिसके कारण गांव खुले में शौच मुक्त हो गया है, परिणामस्वरूप बीमारियों में कमी आयी है और लोगों को बहुत सुविधा हुई है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम देऊँना में निवासित लोगों के स्वास्थ्य स्तर में आमूल–चूल सुधार किया गया है। जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है जिसके कारण धन की बचत हुई है और लोगों को खुशहाल एवं समृद्ध जीवन जीने का अवसर प्राप्त हुआ है।

13.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन के इस खण्ड के अंतर्गत वर्णित योजना द्वारा ग्राम देऊँधा में निवासित आबादी के सामाजिक व्यवहार में आने वाले बदलाव संबंधी तथ्यों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। न्यादर्शों से चर्चा करने पर सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होने के पूर्व गांव में निवासित सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं था। गांव के ऐसे परिवार जो आर्थिक रूप से समृद्ध थे, केवल उन्हीं तक स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता थी क्योंकि स्वच्छ पेयजल पर लगने वाली लागत का वहन कर पाना निम्न आर्थिक स्थिति के लोगों के सामर्थ्य में नहीं था, इसलिए उन्हें तालाबों एवं कुओं में उपलब्ध जल पर ही निर्भर रहना पड़ता था। 94 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से इस स्थिति में बदलाव आया है। अब सभी परिवारों तक बिना किसी भेदभाव के स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है जिससे लोगों में खुशहाली आयी है।

अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वर्णित योजना ने गांव में सामाजिक एकता को स्थापित किया है और जल के लिए होने वाले लड़ाई–झगड़ों में कमी किया

है। लोगों के रहन–सहन के स्तर को उच्च करके योजना ने एक नए नजरिए का विकास किया है। अब लोग एक–दूसरे की सहायता एवं सहयोग के लिए आगे बढ़ रहे हैं। शादी–विवाह के संदर्भ में न्यादर्शों से चर्चा करने पर 91 प्रतिशत ने बताया कि परम्परागत रीति–रिवाजों के स्थान पर अब नूतन रीति–रिवाज विकसित किये जा रहे हैं और लोग दिखावे के कारण अधिक खर्च कर रहे हैं। इस प्रकार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों की सोच में परिवर्तन करके सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन को प्रेरित किया जा रहा है।

13.5 रोजगार के अवसर

अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ग्राम देऊँधा में लोगों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत कृषि एवं पशुपालन तथा मजदूरी है। कुछ लोग शहरों में पलायन कर गये हैं तो कुछ लोगं गांव में ही रहकर कृषि कार्य के साथ ही छोटे–मोटे व्यवसाय करके जीवन–यापन कर रहे हैं। 92 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार एवं जल संकट के समाधान के कारण युवाओं के पलायन में कमी आयी है। 93 प्रतिशत के अनुसार युवा लोग गांव में ही रहकर स्व–रोजगार करके जीवन–यापन करने के इच्छुक हैं। 96 प्रतिशत न्यादर्शों के अनुसार कृषि एवं पशुपालन में युवाओं की भूमिका ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के बाद से बढ़ी है। युवा लोग अब अच्छे से अपने कार्य को कर पा रहे हैं। उनमें आत्मविश्वास एवं चेतना का विकास हुआ है। कुशल कामगार के रूप में युवा लोग निजी क्षेत्रों में भी नियोजित होकर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।

''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ग्राम देऊँधा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में काफी हद तक सफल रही है। योजना द्वारा कृत कार्यों के प्रति लोगों में संतुष्टि का भाव है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम में निवासित लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में बृहद स्तर पर सुधार किया गया है। सभी आयु वर्ग के लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से खुश हैं। लैंगिक समानता, स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।

अवलोकन में जल अपव्यय की समस्या देखी गयी जिसके समाधान के लिए यहां पर कुछ सुझाव दिये जा रहे हैं–

14.0 सुझाव

- ग्राम में निवासित आबादी को जल अपव्यय के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक, शिक्षित एवं सचेत किये जाने की जरूरत है।
- लोगों का समझाने की जरूरत है कि जल प्रकृति की अमूल्य धरोहर है जिसके संरक्षण की हम सबकी जिम्मेदारी है जिससे कि वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना ना करना पड़े।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाना चाहिए।
- समुदाय का व्यवहार परिवर्तन करने के लिए समाज कार्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
- लोगों को जागरूक एवं चेतना का विकास विकास करने के लिए गैर–सरकारी संगठनों का सहयोग लिया जाना चाहिए।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से भी सहयोग लिया जाना अपेक्षित होगा।

उपर्युक्त उपायों को अपनाकर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के और बेहतर परिणामों को प्राप्त किया जा सकता है और जल संरक्षण द्वारा भविष्य की चुनौतियों से

भी निपटा जा सकता है। सतत् कृषि में भी जल संरक्षण का महत्त्वपूर्ण योगदान है। सामाजिक तनाव एवं महिला सशक्तिकरण में भी जल को संरक्षित करके लाभ लिया जा सकता है।

ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों

की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती प्रीती द्विवेदी से परिचर्चा करके ग्राम चहटा के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री शिव कुमार से बात करके चहटा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम चहटा में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री एवं ए.एन.एम. से भी बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के

संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम चहटा की कुल आबादी–500 है एवं कुल परिवारों की संख्या–60 तथा मतदाताओं की संख्या–240 है। ग्राम में जातीय बहुलता यादव एवं कुम्हार जाति के लोगों की है। ग्राम चहटा में नल कनेक्शन स्कोप–61 है जिसके सापेक्ष 36 नल कनेक्शन दिये गये हैं। 25 लोगों ने नल कनेक्शन लेने से मना कर दिया हैं। ग्राम में निवासित नल कनेक्शन से आच्छादित परिवारों को नियमित रूप से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

चहटा ग्राम में कुल लगभग 666 बीघा जमीन उपलब्ध है जो कि पूर्णतः उपजाऊ है जिसमें कृषि कार्य किया जाता है। हितधारकों एवं न्यादर्शों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से आजीविका प्राप्त करती है। ग्राम चहटा के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव में

अथवा आस–पास के गांवों एवं कस्बों में छोटे–मोटे काम करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में एक प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कुल 40 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य का नाम श्री सुनील कुमार है। विद्यालय में कुल स्टॉफ

की संख्या– 04 है। विद्यालय ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त हैं। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालय में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। चहटा ग्राम की कुल जनसंख्या 500 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 500/10 = 50 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 25 महिला एवं 25 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में चहटा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

चहटा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि चहटा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम चहटा विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम चहटा में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। कुल 25 महिला न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड के अंतर्गत किये गये अध्ययन का परिणाम इस प्रकार से है–

प्रस्तुत अध्ययन में 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के बाद से उनके स्वास्थ्य स्तर में सुधार आया है। 96 प्रतिशत के अनुसार स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है। 94 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं के अनुसार उनके शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण सुधार हुआ है

जिसके कारण उनमें खुशहाली आयी 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि योजना के तहत आपूर्ति किया जाने वाला जल स्वच्छ होता है जिसके कारण सभी लोग नियमित रूप से पेयजल के रूप में इसका उपयोग कर रहे हैं। इसी प्रकार से अध्ययन में सम्मिलित 98 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब डॉक्टर के पास जाने से मुक्ति मिली है क्योंकि पेट संबंधी बीमारियों में बहुत कमी आयी है। 94 प्रतिशत महिलाओं ने

बताया कि पूर्व में अनेक बार दूषित जल ग्रहण करने के कारण शौच हेतु जाना पड़ता था लेकिन अब स्वच्छ पेयजल के कारण बहुत ही कम जाना पड़ता है। 95 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि अब पाचन शक्ति में भी सुधार हुआ है जिससे खाना अच्छे से पचता है, पेट में गैस की समस्या नहीं होती है। 94 प्रतिशत महिलाओं ने बतया कि समय की बचत होने के कारण रोजगारपरक कार्यों पर वह अधिक समय दे पा रही हैं। 100 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार वह जल उपलब्धता के कारण घर में बने शौचालयों का प्रयोग नियमित रूप से कर रही हैं जिसके कारण उनके सम्मान एवं सुरक्षा में वृद्धि हुई है। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि बच्चों एवं परिवार को अधिक समय देने के कारण उनके सम्मान में बढ़ोत्तरी हुई है। स्पष्ट है कि वर्णित योजना द्वारा महिलाओं की प्रस्थिति में सुधार आया है और वह एक सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित हितधारकों एवं न्यादर्शों ने बताया कि गांव में एक प्राथमिक विद्यालय संचालित किया जा रहा है जिसमें कुल 44 विद्यार्थी नामांकित हैं। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी है। 95 प्रतिशत के अनुसार गांव के सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य में स्वच्छ पेयजल के कारण सुधार आने के कारण वह घर पर भी अच्छे से पढ़ाई कर पा रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार एवं धन की

बचत के कारण बच्चों की शिक्षा पर अभिभावक अधिक ध्यान दे रहे हैं। प्रधानाचार्य ने बताया कि बच्चों के सीखने की क्षमता में सुधार आया है। योजना के कारण बच्चों के नामांकन दर में सुधार एवं ड्राप आउट की दर में कमी आयी है। अवलोकन में पाया गया कि विद्यालय में शिक्षा का उचित माहौल है, शिक्षक भी बच्चों को नियमित रूप से पढ़ा रहे हैं। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

द्वारा साक्षरता दर में सुधार आने के साथ ही ग्राम में निवासित लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता भी आयी है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

स्वास्थ्य ही सम्पत्ति है और यह तभी चरितार्थ होता है जब स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सभी लोगों तक हो। प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित लोगों में से 100 प्रतिशत

ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की प्राप्ति हो रही है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके स्वास्थ्य में योजना के लागू होने के बाद से सुधार आया है। इसी प्रकार से 100 प्रतिशत ने ही बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च में अब कमी आयी है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब चर्म रोगों से निजात मिला है क्योंकि अब पर्याप्त जल उन्हें मिलता है जिसके कारण वह नियमित रूप से स्नान कर रहे हैं। जल उपलब्धता के कारण गांव वास्तव में खुले में शौच मुक्त हुआ है जिसके कारण बीमारियों में कमी आयी है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि डायरिया, पेचिस एवं दस्त जैसी बीमारियों में अब कमी आयी है। अध्ययनकर्ता द्वारा अवलोकन में पाया गया कि ग्राम चहटा के लोगों में शारीरिक सक्रियता अधिक है क्योंकि उनके स्वास्थ्य में वर्णित योजना के कारण सुधार आया है। स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण उनकी कार्य क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के पूर्व गांव के केवल समृद्ध लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उलब्धता थी। निम्न आर्थिक स्थिति एवं जाति के लोग तालाबों एवं कुओं में उपलब्ध जल पर ही निर्भर थे। 100 उत्तरदाताओं ने बताया कि अब ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है जिसके कारण सामाजिक तनाव में कमी एवं जल संकट के कारण होने वाले झगड़ों पर अंकुश लगा

है। स्वास्थ्य में सुधार एवं धन तथा समय की बचत के कारण लोगों के रहन–सहन के स्तर में भी सुधार आया है जिसके कारण शादी–विवाह में भी परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं। बाल–विवाह की दर में अब कमी आयी है क्योंकि लोगों में जागरूकता आयी है जिसके कारण वह बाल–विवाह के दुष्परिणामों से परिचित हुए हैं।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम चहटा में निवासित लोगों की आजीविका का मुख्य साधन कृषि है। कुछ लोग पशुपालन एवं मजदूरी करके भी जीविका चला रहे हैं। कुछ लोग कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय भी कर रहे हैं। योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि जल संकट की समाप्ति, स्वास्थ्य में सुधार, एवं समय व धन की बचत तथा गांव में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण युवा लोग अब गांव में ही रहकर अपनी जीविका छोटे–मोटे व्यवसाय करके चलाने के इच्छुक हैं जिससे पलायन की दर में कमी आयी है। युवाओं के एक समूह से बात करने पर ज्ञात हुआ कि उनमें अब शहरों के प्रति वह आकर्षण नहीं है, जो कि पूर्व में हुआ करता था। युवाओं ने बताया कि अब गांव में ही समस्त सुविधायें उपलब्ध हैं इसलिए वह यहीं पर रहकर खेती–किसानी तथा अन्य रोजगारपरक कार्यों को करके अपनी जीविका चलाने के इच्छुक हैं। युवाओं के आत्म–विश्वास में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा वृद्धि हुई है जिसके कारण उनका लगाव गांव के प्रति बढ़ा है।

''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ग्राम चहटा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है। लोगों में योजना के प्रति उत्साह देखा गया। गांव लगभग 40 प्रतिशत लोग नल कनेक्शन नहीं लिए हैं, उनका तर्क है कि उन्हें नल एवं कुँओं से ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस स्थिति में सुधार करने की आवश्यकता है। ग्राम चहटा में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने लक्ष्यों को 100 प्रतिशत तभी प्राप्त कर पायेगी जब सभी परिवार नल कनेक्शन से आच्छादित हों। यद्यपि कि नल कनेक्शन से संतृप्त परिवारों के लोगों का समग्र विकास हुआ है लेकिन वंचित परिवारों का भी समग्र विकास करना जरूरी है, इसके लिए उन्हें भी नल कनेक्शन से आच्छादित करने की नितांत आवश्यकता है। गांव में जल अपव्यय की समस्या भी देखी गयी जिसके लिए बृहद स्तर पर प्रयास किये जाने की जरूरत है।

9.0 सुझाव

- सभी परिवारों को नल कनेक्शन लेने के लिए प्रोत्साहित एवं जागरूक किया जाये तथा उनमें दूषित पेयजल से होने वाली बीमारियों के प्रति चेतना का विकास किया जाये।
- लोगों को जल अपव्यय के प्रति सावधान एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जाये।
- लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।

- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग की अपेक्षा।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लक्ष्यों को 100 प्रतिशत प्राप्त करने में सहायक हो सकते हैं।

ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव

का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती प्रीती द्विवेदी से परिचर्चा करके ग्राम नोनमई के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री शिव कुमार से बात करके नोनमई ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम नोनमई में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की

गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम नोनमई की कुल आबादी–600 है एवं कुल परिवारों की संख्या–60 तथा मतदाताओं की संख्या–245 है। ग्राम में जातीय बहुलता ठाकुर एवं कोरी जाति के लोगों की है। ग्राम नोनमई में नल कनेक्शन स्कोप–65 है जिसके सापेक्ष 72 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

नोनमई ग्राम में कुल लगभग 1000 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से 800 बीघा जमीन उपजाऊ एवं कृषि योग्य है। गांव में दलहन का उत्पादन अधिक होता है क्योंकि जल गहन फसलों के लिए सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से आय प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन

करते हैं और गांव वापस आ जाते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। दोनों विद्यालयों में कुल 100 विद्यार्थी

नामांकित हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय में कुल स्टॉफ की संख्या– 05 है। दोनों विद्यालय ‘‘हर घर नल–हर घर जल’’ योजना से पूर्णतः संतृप्त हैं। विद्यालय में लगभग सभी

मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालयों में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा विद्यालय में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। नोनमई ग्राम की कुल जनसंख्या 600 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 600/10 = 60 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 30 महिला एवं 30 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में नोनमई ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

नोनमई ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण

जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि नोनमई ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम नोनमई विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम नोनमई में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

कुल 30 महिला न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड के अंतर्गत किये गये अध्ययन का विवरण इस प्रकार से है–

प्रस्तुत अध्ययन में उत्तरदाताओं के रूप सम्मिलित 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना लागू होने के बाद से सभी परिवारों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण बीमारियों में कमी आने से इलाज पर खर्च होने वाले

पैसे की बचत हुई है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि घर पर ही जल की उपलब्धता होने के कारण कार्य बोझ में कमी आयी है। 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि समय एवं धन की बचत वर्णित योजना के कारण हुई है। 100 प्रतिशत

महिलाओं ने बताया कि शौचालय में जल उपलब्धता के कारण उसका नियमित रूप से वह उपयोग कर रही हैं जिसके कारण महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा में सुधार हुआ है। 96 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बतया कि बच्चों एवं परिवार को अधिक समय देने के कारण उनके सम्मान में वृद्धि हुई है। 93 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन में बढ़ी है जिससे वह आय अर्जन भी कर रही हैं। इस प्रकार से वर्णित योजना के कारण महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार आया है और महिलायें सक्षम एवं समर्थ हुई हैं।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम नोनमई में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में शिक्षा का बेहतर माहौल है। सभी शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय आकर पठन–पाठन का कार्य करते हैं। अवलोकन में विद्यालय में शौचालय की स्थिति भी अच्छी पायी गयी। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण विद्यालय में बच्चों के नामांकन दर में बढ़ोत्तरी हुई है और बच्चों के ड्राप आउट दर में कमी आयी है। उच्च प्राथमिक विद्यालय में भी शिक्षा की स्थिति अच्छी पायी गयी। सभी शिक्षक कर्मठ एवं लगनशील हैं। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि दोनों विद्यालय में शिक्षा का माहौल अच्छा है जिसके कारण वह अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेज रहे हैं। 94 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण बच्चों का मन पढ़ने में अधिक लग रहा

है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार शिक्षा पर अभिभावकों द्वारा अब अधिक निवेश किया जा रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भी बेहतर कार्य किया गया है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

जब उत्तरदाताओं से स्वास्थ्य पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव की चर्चा की गयी तो अध्ययन में सम्मिलित 98 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वर्णित योजना के कारण स्वास्थ्य में सुधार आया है। 97 प्रतिशत ने कहा कि पेट संबंधी बीमारियों में कमी हुई है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि जल–जनित बीमारियों में कमी आने के कारण इलाज पर खर्च होने वाले पैसे की बचत हुई है। 92 प्रतिशत के अनुसार शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में पूर्व की अपेक्षा सुधार हुआ है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब गांव खुल में शौच मुक्त हो गया है क्योंकि अब सभी लोग जल की उपलब्धता के कारण शौचालयों का प्रयोग कर रहे हैं। 93 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार चर्म रोगों में भी कमी आयी है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा बेहतर स्वास्थ्य के लक्ष्य को ग्राम नोनमई में प्राप्त किया गया है जिससे लोगों में खुशहाली आयी है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

सामाजिक व्यवहार में बदलाव के संदर्भ में न्यादर्श की इकाइयों से चर्चा करने पर सभी उत्तरदाताओं ने एक मत से बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के

संचालन के पूर्व गांव के सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता नहीं थी। अब योजना के संचालन के बाद से सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है। न्यादर्शों से बात करने पर 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि जल संकट के समाधान एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण गांव में जल के लिए होने वाले झगड़ों में कमी आयी है। लोगों ने बताया कि वर्णित योजना के कारण लोगों में सहकार एवं सहयोग की भावना का विकास हुआ है।

शादी–विवाह के संबंध में बात करने पर अध्ययन में सम्मिलित 89 प्रतिशत लोगों ने बताया कि लोगों में आधुनिक मूल्यों का विकास एवं शैक्षिक जागरूकता आने के कारण

बाल–विवाह एवं दहेज के विरूद्ध धारणा का निर्माण हुआ है। अब गांव के लोग दहेज को हतोत्साहित कर रहे हैं। कुछ लोगों ने बताया कि बाल–विवाह करने से बेटियों के

साथ हिंसा अधिक होती है और उनकी पढ़ाई भी बाधित होती है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सभी जाति एवं आय वर्ग के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के साथ ही सामाजिक गतिशीलता को भी प्रोत्साहित किया गया है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम नोनमई के अधिकतर लोग कृषि से अपनी जीविका चला रहे हैं। कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी करके भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं। न्यादर्शों से चर्चा करने पर 96 प्रतिशत लोगों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के बाद से स्वास्थ्य में आये सुधार का लाभकारी प्रभाव रोजगार के क्षेत्र में देखने को मिल रहा हैं। 92 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं का लगाव अब गांव के प्रति बढ़ा है क्योंकि गांव में मूलभूत सुविधाओं के उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 90 प्रतिशत युवाओं ने बताया कि वह गांव में ही रहकर रोजगार करने के इच्छुक हैं। युवाओं के आत्मविश्वास में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा वृद्धि हुई है क्योंकि अब उनके समक्ष रोजगार के बेहतर विकल्प गांव में ही उपलब्ध हुए हैं। खेती–किसानी में भी युवाओं की भूमिका में बढ़ोत्तरी हुई है। कुछ युवा गांव में ही दूकान आदि खोलकर जीवकोपार्जन कर रहे हैं। वह शहर की भीड़–भाड़ वाली जिंदगी से बचना चाहते हैं और अपने गांव में ही रहकर छोटे–मोटे व्यवसाय करके अपनी जीविका चलाना चाहते हैं।

निष्कर्षतः अध्ययन के उपरांत यह कहा जाना समीचीन होगा कि ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ग्राम नोनमई, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है। ग्राम के लोगों के जीवन–स्तर को उच्च करने योजना भी भूमिका सराहनीय रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण जैसे आयामों पर बेहतर कार्य योजना द्वारा किया गया है। गांव के लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा कृत कार्य के प्रति संतुष्ट हैं। गांव में जल का अपव्यय अधिक देखा गया जिसके लिए प्रयास किये जाने की जरूरत है।

9.0 सुझाव

- लोगों को जल अपव्यय के प्रति सावधान एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जाये।
- लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की प्रभावकारिता को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों

की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आय के साधन एवं कृषि आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी।

अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री महेश जी से परिचर्चा करके ग्राम बुधवल के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री संतोष कुमार पाण्डेय से बात करके बुधवल ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम बुधवल में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों

एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम बुधवल की कुल आबादी—900 है एवं कुल परिवारों की संख्या—125 तथा मतदाताओं की संख्या—400 है। ग्राम में यादव जाति के लोगों की बहुलता है। ग्राम बुधवल में नल कनेक्शन स्कोप—125 है जिसके सापेक्ष 125 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। गांव में लगी टोटियां बेहतर स्थिति में पायी गयी।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

बुधवल ग्राम में कुल लगभग 900 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 400 बीघा जमीन उपजाऊ एवं कृषि योग्य है। गांव में जल गहन फसलों का उत्पादन कम होता है क्योंकि सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से आजीविका प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन करते

हैं और वापस आ जाते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम बुधवल, विकास खण्ड रामनगर में दो प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कुल 150 विद्यार्थी नामांकित हैं। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में कुल स्टॉफ की संख्या–03 है। विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त किया जा चुका है। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालय में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। बुधवल ग्राम की कुल जनसंख्या 900 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 900/10 = 90 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 45 महिला एवं 45 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में बुधवल ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

बुधवल ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि बुधवल ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम बुधवल विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम बुधवल में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों को जानने के लिए कुल 45 महिलाओं को उत्तरदाताओं के रूप में सम्मिलित किया गया है जिनसे प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

संचालित होने के बाद से गांव के सभी परिवारों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। 97 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है। 95 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि पेट संबंधी बीमारियां बहुत कम हुई हैं। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण डॉक्टर के पास बहुत कम जाना पड़ता है जिसके कारण इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है, परिणामस्वरूप धन की बचत हुई है। 98 प्रतिशत महिलाओं के अनुसार ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण समय एवं धन की बचत होने से रोजगारपरक कार्यों में उनकी भागीदारी बढ़ी है। 93 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब वह बच्चों एवं परिवार को अधिक समय दे पा रही हैं। 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं के अनुसार अब महिलाओं के कार्य बोझ में कमी आयी है। महिलाओं ने बताया कि योजना के संचालन के पूर्व बहुत दूर से जल भरकर लाना पड़ता था जिसके कारण समय अधिक लगता था और कमर एवं कंधे में दर्द भी हुआ करता था। 90 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि अब महिलायें कृषि एवं पशुपालन कार्य अच्छे से कर रही हैं तथा उसमें पूंजी निवेश भी कर रही हैं। बच्चों की शिक्षा पर भी महिलायें अधिक ध्यान दे रही हैं। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि अब वह बहुत खुश रहती हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने लैंगिक समानता को स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन् किया है। अब गांव की सभी महिलायें शौचालयों का प्रयोग कर रही हैं जिसके कारण उनके सम्मान एवं सुरक्षा में बढ़ोत्तरी हुई है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं का समग्र विकास किया

गया है और परिवार व समाज में उनकी महत्ता को स्थापित करने में भी योजना की भूमिका सराहनीय रही है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम बुधवल में सरकार द्वारा दो प्राथमिक विद्यालय संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में पठन–पाठन का बेहतर माहौल है। सभी शिक्षक नियमित रूप से विद्यालय आते हैं। प्रधानाचार्य श्री अमित मिश्रा ने बताया कि विद्यालय में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने से बच्चों के नामांकन दर में वृद्धि हुई है। अब बच्चों को विद्यालय में स्वच्छ पेयजल मिल रहा है। ड्राप आउट की दर में भी कमी आयी है। बालिकाओं की शिक्षा के संदर्भ में चर्चा करने पर प्रधानाचार्य जी ने बताया कि बच्चों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता आयी है जिससे उनका पढ़ाई में मन लग रहा है। अब बच्चे पढ़ाये गये विषय को अच्छे से याद कर पा रहे हैं। 94 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता आयी है। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण बच्चों का मन पढ़ने–लिखने में अधिक लग रहा है। उत्तरदाताओं ने यह भी बताया कि अब माता–पिता बच्चों को सुबह ठीक से तैयार करके समय से विद्यालय भेज रहे हैं। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार स्वास्थ्य अच्छा रहने के कारण बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं और विद्यालय में पढ़ाये गये विषय को घर पर आकर याद करते हैं।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से स्वास्थ्य में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर कुल 90 उत्तरदाताओं में से 100 प्रतिशत ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। पेट संबंधी एवं जल–जनित अन्य बीमारियों में भी कमी आयी है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि बीमारियों में कमी आने के कारण इलाज पर खर्च होने वाले पैसे की बचत हुई है। 92 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि अब स्वास्थ्य ठीक रहने के कारण वह स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। 98 प्रतिशत अध्ययन की इकाइयों के अनुसार उनकी शारीरिक

एवं मानसिक स्थितियों में पूर्व की अपेक्षा बहुत सुधार हुआ है। अब वह किसी–भी कार्य को पूर्ण मनोयोग से कर रहे हैं। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि अब उनका गांव पूर्ण रूप से खुले में शौच मुक्त हो गया है क्योंकि 100 प्रतिशत लोग शौचालय का प्रयोग

कर रहे हैं जिसके कारण गंदगी से फैलने वाली बीमारियों में कमी आयी है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया गया है जिससे लोगों में योजना के प्रति खुशहाली का भाव आया है। गांव के लोगों में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है। सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में योजना की भूमिका का नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

इस खण्ड के अंतर्गत उत्तरदाताओं से परिचर्चा करने पर सभी लोगों ने बताया कि वर्णित योजना के संचालन के पूर्व गांव के सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता नहीं थी जिसके कारण निम्न आय एवं जाति के लोग तालाबों एवं कुँओं में उपलब्ध जल से अपना काम चलाते थे, जो कि दूषित होता था। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालन के बाद से सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है जिससे उनके स्वास्थ्य में सुधार एवं समय की बचत हुई है। 94 प्रतिशत न्यादर्शों ने बताया कि अब जल संकट का समाधान हो जाने से गांव में समरसता पूर्ण जीवन लोग जी रहे हैं। लोगों ने बताया कि अब सामाजिक तनाव में कमी आयी है जिसके कारण लोग शांति से रह रहे हैं। सामाजिक गतिशीलता को प्रेरित करने में योजना ने अमूल्य योगदान दिया है। न्यादर्शों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से शादी–विवाह में परिवर्तन दृष्टिगोचर हुआ है। बाल–विवाह की समस्या कम

हुई है, दिखावा अधिक बढ़ा है, रस्मों–रिवाजों में आधुनिकता आयी है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि वर्णित योजना के कारण व्यापक स्तर पर सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन हुआ है। लोगों के जीवन में आधुनिक मूल्यों का समावेश हुआ है और सामाजिक न्याय को प्रोत्साहन मिला है। समभाव की भावना का विकास हुआ है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम बुधवल में निवासित लोगों की आजीविका का मुख्य स्त्रोत कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। कुछ लोग कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय भी कर रहे हैं। गांव के

कुछ लोग दूकान एवं मिस्त्री का कार्य भी कृषि कार्य के साथ–साथ कर रहे हैं। कुछ

लोग बाहर शहरों में भी आजीविका के कारण रह रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्शों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों एवं युवाओं के पलायन के संदर्भ में बात करने पर 91 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि गांव में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण स्वास्थ्य स्तर में सुधार आया है जिसके कारण लोगों की भागीदारी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों तथा संलग्नित व्यवसायों में बढ़ी है। 91 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि गांव में ही रोजगार की विविध विकल्प उपलब्ध होने के साथ ही मूलभूत सुविधायें भी गांव में ही उपलब्ध हुई हैं जिसमें स्वच्छ पयेजल की उपलब्धता अधिक महत्त्वपूर्ण है। मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, सब्जी उत्पादन, कृषि कार्यों आदि में युवाओं की उन्मुखता देखी गयी। योजना द्वारा युवाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई है। वह रोजगार के विविध विकल्पों में अपना हाथ आजमा रहे हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना युवाओं में खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर किये गये सर्वेक्षण से ज्ञात होता है कि शासन द्वारा संचालित महत्त्वाकांक्षी योजना ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिस ध्येय को लेकर कार्य कर रही है, उस ध्येय को चित्रकूट जनपद के रामनगर विकास खण्ड के ग्राम बुधवल का टीम सर्वे एवं अध्ययन के पश्चात् प्राप्त आंकड़े सुनिश्चित करते हैं। ग्राम बुधवल में सरकार द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर रही है एवं ग्राम बुधवल की आबादी ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना के अंतर्गत कृत कार्यों

से पूर्ण रूप से संतुष्ट है। वर्णित योजना द्वारा लोगों का बहु–आयामी विकास किया गया है जिसके कारण यह योजना लोगों में खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- ग्राम बुधवल के लोगों को जल अपव्यय के प्रति सचेत एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाये।
- ग्राम बुधवल के लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की प्रभावकारिता को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

ग्राम बरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम बरहट, विकास खण्ड

मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम बरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती पूनम देवी से परिचर्चा करके ग्राम बरहट के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री गिरीश शुक्ला से बात करके बरहट ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम बरहट में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री एवं ए.एन.एम. से भी बात करके गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा

करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम बरहट की कुल आबादी–850 है एवं कुल परिवारों की संख्या–90 तथा मतदाताओं की संख्या–500 है। ग्राम में जातीय बहुलता हरिजन एवं कुर्मी जाति के लोगों

की है। ग्राम बरहट में नल कनेक्शन स्कोप–89 है जिसके सापेक्ष 89 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित सभी परिवारों को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

बरहट ग्राम में कुल लगभग 2284 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 2100 बीघा जमीन उपजाऊ है। उपजाऊ जमीन पर कृषि कार्य किया जाता है। गावं में कृषि की स्थिति अच्छी है। गांव में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि,

पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप

से पलायन करते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव में अथवा आस–पास के गांव व कस्बों में छोटे–मोटे काम करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम बरहट, विकास खण्ड मानिकपुर में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। उक्त दोनों विद्यालयों में कुल क्रमशः 38 और 34 विद्यार्थी नामांकित हैं। दोनों विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक हैं जिससे अध्ययन–अध्यापन का अच्छा परिवेश है। विद्यालय ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त हैं। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। बरहट ग्राम की कुल जनसंख्या 850 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 850/10 = 85 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 43 महिला एवं 42 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित

की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में बरहट ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

बरहट ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि बरहट ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम बरहट विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका

विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड का विश्लेषण करने के लिए कुल 43 (लगभग 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित सभी महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता

के कारण बीमारियों में कमी आयी हैं जिसके कारण इलाज में खर्च होने वाले पैसे की बचत हुई है। 94 प्रतिशत महिलाओं ने बताया धन एवं समय की बचत के कारण वह

बच्चों की देखभाल एवं परिवार को अधिक समय दे रही हैं जिसके कारण परिवार में उनका सम्मान बढ़ा है। 63 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार एवं समय की बचत के कारण वह कृषि एवं अन्य घरेलू व्यवसायों में अधिक समय दे रही हैं जिससे उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी हुई है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की महिला इकाइयों ने बताया कि अब वह शौचालयों का पूर्ण रूप से उपयोग कर रही हैं जिसके कारण समय बचत के साथ ही स्वास्थ्य में सुधार तथा सम्मान व सुरक्षा में भी वृद्धि हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 94 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि पूर्व की अपेक्षा उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में अधिक सुधार हुआ है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि दूषित जल से मुक्ति मिलने के कारण वह बहुत खुश हैं। अब उन्हें दूर से जल भरकर लाने की जरूरत नहीं है। गांव की ए.एन.एम. से बात करने पर उन्होंने बताया कि महिलाओं के साथ ही बच्चों एवं वृद्धों तथा सभी आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य में स्वच्छ पेयजल के कारण सुधार हुआ है। अब जन्म लेने वाले बच्चे अधिक स्वस्थ हैं। गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य में भी पूर्व की अपेक्षा सुधार देखा गया है जिससे उनमें खुशहाली का भाव आया है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम बरहट में एक प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित किया जा रहा है जिसमें कुल क्रमशः 38 और 34 विद्यार्थी नामांकित हैं। अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण गांव में लोगों

के स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण शिक्षा के प्रति जागरूकता का सृजन हुआ है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब गांव के सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं। बालिकाओं के संदर्भ में चर्चा करने पर न्यादर्श में सम्मिलित लोगों ने एकमत से बताया कि सभी बच्चियों को विद्यालय भेजा जा रहा है। उत्तरदाताओं ने कहा कि यदि

बेटियां शिक्षित होंगी तो उनका विवाह अच्छे घर में हो जाता है जिससे उनकी जिन्दगी बेहतर हो जाती है। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के अनुसार योजना के संचालन के बाद से बच्चों के नामांकन में वृद्धि हुई है। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि बच्चों

की 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना का बहुमूल्य योगदान है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि उनके स्वास्थ्य में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद से बहुत सुधार हुआ है। सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च में अब कमी आयी है जिसके कारण

धन की बचत हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वच्छ जल के उपलब्ध होने से चर्म रोगों में कमी आयी है। सभी उत्तरदताओं ने बताया कि डायरिया, पेचिस एवं दस्त जैसी बीमारियों में कमी आयी है। लोगों ने बताया कि अब स्वच्छता में लोगों में जागरूकता आयी है, एक तो लोग नियमित रूप से स्नान कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शौचालयों में जल के उपलब्ध होने से उसका नियमित रूप से लोग प्रयोग भी कर रहे हैं जिससे बीमारियों में कमी आयी है। लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण उनकी कार्य क्षमता में सुधार आया है। पहले अधिकतर लोग स्वास्थ्य समस्या के कारण पूरा समय अपने रोजगार में नहीं दे पाते थे लेकिन अब वह पूरा समय दे रहे हैं जिसके कारण उनकी आय में वृद्धि हुई जिससे वह एक अच्छा जीवन व्यतीत कर पा रहे हैं।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

इस खण्ड के अंतर्गत सामाजिक व्यवहार में बदलाव संबंधी परिणामों को प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उलब्धता थी जबकि निम्न आर्थिक स्थिति एवं जाति के लोग तालाबों एवं कुओं से प्राप्त होने वाले जल पर ही निर्भर थे, जो कि दूषित जल होता था। अध्ययन में सम्मिलित सभी इकाइयों ने स्वीकार किया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है। लोगों ने बताया

कि अब गांव में सामाजिक एकता एवं अपनेपन का भाव लोगों में आया है। सामाजिक गतिशीलता में बढ़ोत्तरी हुई है, लोगों के रहन–सहन का स्तर उच्च हुआ है जिससे वह एक बेहतर जीवन जी रहे हैं। 95 प्रतिशत लोगों ने बताया कि जल के लिए होने वाले झगड़ों में भी कमी आयी है। वैवाहिक मामलों के संदर्भ में बात करने पर 91 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब जीवन–स्तर में बदलाव आने के कारण वैवाहिक रस्मों–रिवाजो में परिवर्तन आया है। अब आधुनिक रस्मों का समावेश वैवाहिक समारोहों

में हुआ है। उत्तरदाताओं ने यह भी बताया कि अब विवाह में दिखावा अधिक हो रहा है। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सामाजिक परिवर्तन को प्रोत्साहित किया गया है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम बरहट के लोगों की आजीविका कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी पर आधारित है। गांव के कुछ लोग कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय भी कर रहे हैं। योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर अध्ययन में सम्मिलित 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार एवं इलाज में खर्च की कमी से

होने वाले धन की बचत के कारण गांव के लोग कृषि में अधिक निवेश कर रहे हैं जिसके कारण कृषि कार्यों में गांव के लोगों की भागीदारी बढ़ी है। महिलाओं के संदर्भ में चर्चा करने पर उत्तरदाताओं ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी सिलाई–कढ़ाई तथा अन्य रोजगारपरक कार्यों में बढ़ी है। युवाओं से बारे बात करने पर 88 प्रतिशत उत्तरदाताओं

ने बताया कि युवाओं में अपने गांव के प्रति लगाव बढ़ा है जिसके कारण वह गांव में ही रहकर रोजगार करने के इच्छुक हैं। युवाओं से चर्चा करने पर ज्ञात हुआ कि गांव में जल संकट की समाप्ति एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण वह गांव में ही रहना चाहते हैं। स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण भी युवा लोग गांव में रहकर स्व–रोजगार की ओर प्रेरित हो रहे हैं। कुशल कामगार के रूप में युवा लोग गांव में ही रहते हुए प्राइवेट नौकरी भी करने की ओर उन्मुख हुये हैं। खेती–किसानी में भी युवा लोग हाथ आजमा रहे हैं। इस प्रकार से स्पष्ट है कि वर्णित योजना युवाओं के पलायन दर को कम करने तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मददगार साबित हुई है।

निष्कर्षतः ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना ग्राम बरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है जिसकी पुष्टि अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त आंकड़े करते हैं। गांव में 100 प्रतिशत नल कनेक्शन दिये गये हैं और सभी परिवारों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। लोगों में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा किये कार्यों के प्रति संतुष्टि है और यह योजना गांव में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में बदलाव करते हुए उनकी खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है। अवलोकन में जल अपव्यय की समस्या देखी गयी क्योंकि अधिकतर लोग टोटी खुला छोड़ दे रहे हैं तथा मोटर गाड़ी की धुलाई एवं खेत की सिंचाई इसी जल से कर रहे हैं।

9.0 सुझाव

- लोगों को जल के महत्त्व के संबंध में बताया जाये।
- गांव में जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को सचेत किया जाये।
- लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।
- ग्राम में निवासित लोगों को पेयजल के अपव्यय को रोकने के लिए जागरूक एवं शिक्षित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग की अपेक्षा।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लक्ष्यों को 100 प्रतिशत प्राप्त करने में सहायक हो सकते हैं।

ग्राम राम टेकवा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम राम टेकवा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम राम टेकवा, विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती रज्जन देवी से परिचर्चा करके ग्राम राम टेकवा के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री शिव कुमार से बात करके राम टेकवा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम राम टेकवा में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में कोई–भी आँगनबाड़ी केन्द्र एवं स्वास्थ्य केन्द्र नहीं पाया गया। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर

प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम राम टेकवा की कुल आबादी–75 है एवं कुल परिवारों की संख्या–25 तथा मतदाताओं की संख्या–40 है। ग्राम में जातीय बहुलता ब्राह्मण एवं गड़रियन जाति के

लोगों की है। ग्राम राम टेकवा में नल कनेक्शन स्कोप–30 है जिसके सापेक्ष 30 नल

कनेक्शन दिये गये हैं अर्थात् ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। ग्राम में लगे हुए सभी नल बेहतर स्थिति में पाये गये।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

राम टेकवा ग्राम में कुल लगभग 40 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 38 बीघा जमीन उपजाऊ एवं कृषि योग्य है। ग्राम राम टेकवा में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से आजीविका प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं और वापस आ जाते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके अपनी आजीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम राम टेकवा, विकास खण्ड रामनगर में कोई–भी विद्यालय अवस्थित नहीं है। गांव के बच्चे दूसरे गांव में स्थित विद्यालय में पढ़ने के लिए जाते हैं।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। राम टेकवा ग्राम की कुल जनसंख्या 75 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 75/10 = 8 (पूर्ण करने पर) न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 4 महिला एवं 4 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में राम टेकवा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

राम टेकवा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि राम टेकवा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम राम टेकवा विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन–स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया गया है। लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आदि क्षेत्रों में वर्णित योजना का उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है जिसका विस्तृत विवरण विभिन्न आयामों के आधार पर वस्तुनिष्ठ, निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक ढंग से यहां प्रस्तुत किया गया है।

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम राम टेकवा में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। कुल 04 महिला न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड के अंतर्गत किये गये अध्ययन का विवरण इस प्रकार से है–

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने से उनके जीवन में बहुत बदलाव आया है। इसी प्रकार से 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना के संचालन के कारण पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है जिसके कारण उनका स्वास्थ्य अच्छा हुआ है। अध्ययन में सम्मिलित सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना के कारण जल संकट का समाधान हुआ है एवं स्वच्छ पेयजल की प्राप्ति भी सभी परिवारों को हुई है, साथ ही जल–जनित बीमारियों में कमी आने के कारण इलाज पर होने वाले खर्च में भी कमी आयी है। 93 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि घर पर ही जल की उपलब्धता होने से महिलाओं के कार्य बोझ में कमी आयी है। 100 प्रतिशत अध्ययन की इकाइयों के अनुसार शौचालय में जल उपलब्धता के कारण उसका

नियमित रूप से वह उपयोग कर रही हैं जिसके कारण महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा में सुधार होने के साथ ही समय की भी बचत हुई है। न्यादर्श में सम्मिलित सभी महिलाओं ने एकमत से बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण उनकी शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार हुआ है जिसके कारण उनकी कार्य क्षमता में सुधार हुआ

है। रोजगारपरक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है जिससे वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई हैं। 96 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि समय की बचत होने के कारण वह बच्चों की देखभाल एवं परिवार को पूर्व की अपेक्षा अधिक समय दे पा रही हैं जिससे उनके सम्मान में बढ़ोत्तरी हुई है। 95 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वर्णित योजना के कारण सुधार हुआ है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में सुधार किया है जिसके कारण वह सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम राम टेकवा में कोई–भी विद्यालय नहीं है। गांव के बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए पास के गांव में संचालित विद्यालय में पढ़ने के लिए जाते हैं। न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से चर्चा करने पर पता चला कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा गांव में शिक्षा के प्रति जागरूकता एवं चेतना का सृजन हुआ है। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि इलाज पर खर्च में कमी आने के कारण बच्चों की शिक्षा पर पूर्व की अपेक्षा अधिक निवेश किया जा रहा है। उत्तरदाताओं ने बताया कि बच्चों को घर पर पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दिया जा रहा है जिसके कारण बच्चों की शिक्षा में सुधार हुआ है। स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं। बेटियों की शिक्षा में भी सुधार देखा गया है। अभिभावक अपनी बेटियों को नियमित रूप

से समय से विद्यालय भेज रहे हैं। अतएव कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलावों को प्रेरित किया है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से स्वास्थ्य पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव की चर्चा करने पर 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना के कारण उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। 98 प्रतिशत के अनुसार पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है और जल–जनित बीमारियां भी कम हुई हैं। उत्तरदाताओं ने बताया कि इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है क्योंकि अब दूषित जल से होने वाली बीमारियां बहुत कम हो गयी हैं। अध्ययन में सम्मिलित 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं

के अनुसार शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार हुआ है जिसके कारण वह किसी–भी कार्य को बेहतर ढंग से कर पा रहे हैं। सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण व्यावहारिक तौर पर गांव खुले में शौच मुक्त हो गया है जिसके कारण बीमारियों में कमी आयी है। पेचिस, डायरिया, दस्त जैसी बीमारियां स्वच्छ जल की उपलब्धता के कारण कम हुई हैं जिससे लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। इस

प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने रामटेकवा में निवासित लोगों के स्वास्थ्य में सुधार करके उन्हें एक बेहतर जीवन प्रदान किया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों के व्यवहार में आये परिवर्तन के संदर्भ में चर्चा करने पर ज्ञात हुआ कि न्यादर्श में सम्मिलित सभी इकाइयों ने बताया कि वर्णित योजना के लागू होने के पूर्व गांव में निवासित सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता नहीं थी। गांव के समृद्ध एवं उच्च

जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता थी और गांव में निवासित निम्न आय एवं जाति के लोग कुँओं एवं तालाबों में उपलब्ध जल का प्रयोग पीने एवं दैनिक कार्यों में करते थे। 100 प्रतिशत लोगों ने बताया कि अब ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से गांव के संतृप्त हो जाने के कारण सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल मिल रहा

है जिसके कारण सामाजिक भेदभाव एवं जल के लिए होने वाले झगड़ों में कमी आयी है। गावं के लोग आपस में मिलजुल कर रह रहे हैं जिससे गांव में सामाजिक एकता स्थापित हुई है। योजना द्वारा सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि हुई है और लोगों के रहन–सहन का स्तर उच्च हुआ है जिसका प्रभाव शादी–विवाह में भी देखने को मिल रहा है। अब विवाह में लोग खूब खर्च कर रहे हैं और खूब दिखावा हो रहा है। बाल–विवाह में कमी आयी है एवं दहेज की समस्या कुछ हद तक कम हुई है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने लोगों के सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन करके समग्र विकास को प्रेरित किया है।

8.5 रोजगार के अवसर

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर न्यादर्श में सम्मिलित लोगों ने बताया कि ग्राम राम टेकवा में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि एवं पशुपालन तथा अन्य संबद्ध गतिविधियां हैं। कुछ लोग शहरों में पलायन कर गये हैं तथा कुछ लोग गांव के आस–पास दिहाड़ी–मजदूरी तथा स्व–रोजगार एवं प्राइवेट नौकरी करके जीवन–यापन कर रहे हैं। अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया गांव में स्वच्छ जल की उपलब्धता के कारण स्वास्थ्य में आने वाले सुधार के कारण युवाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन तथा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में बढ़ी है। 90 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि युवाओं को गांव में ही मूलभूत

सुविधायें जैसे– स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय आदि मिल रही हैं। स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण महिलाओं एवं प्रौढ़ लोगों की भागीदारी भी व्यावसायिक गतिविधियों में बढ़ी है। अवलोकन में पाया गया कि युवाओं में आत्मविश्वास का सृजन हुआ है जिसके कारण वह गांव में ही रोजगार करके आय उत्पन्न कर रहे हैं। इस प्रकार से वर्णित

योजना रोजगार के क्षेत्र में सुधारात्मक पहलों को करके लोगों के जीवन को सुखमय बनाया है। आर्थिक स्थिति में सुधारात्मक परिवर्तन आने के कारण युवाओं में आत्मविश्वास एवं खुशहाली आयी है।

निष्कर्षतः अध्ययन के उपरांत यह कहा जाना समीचीन होगा कि ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ग्राम राम टेकवा,

विकास खण्ड रामनगर, जनपद चित्रकूट में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है जिसकी पुष्टि अध्ययन से प्राप्त आंकड़े करते हैं। ग्राम में निवासित सभी आयु वर्ग के लोग ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से सकारात्मक रूप से प्रभावित हुए हैं जिसके कारण उनका जीवन–स्तर उच्च हुआ है। योजना द्वारा स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में आये बदलाव ने सामाजिक विकास को पोषित किया है। वर्णित योजना ग्राम राम टेकवा में समृद्धि एवं खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- ग्राम राम टेकवा के लोगों को जल अपव्यय के प्रति जागरूक एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति सचेत तथा शिक्षित किया जाये।
- ग्राम में निवासित लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को गांव के लोगों को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाना उपयुक्त होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान देकर गांव में जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की प्रभावकारिता को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना अपने ध्येय को प्राप्त कर सके, इसके लिए जागरूकता कार्यक्रमों की भूमिका को नजरंदाज नहीं किया जा सकता है।

ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम बसावनपुर, विकास

खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आँगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आय के साधन एवं कृषि आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी।

अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्रीमती रेखावती शुक्ला से परिचर्चा करके ग्राम बसावनपुर के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान श्री राज नारायण समदड़िया से बात करके बसावनपुर ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम बसावनपुर में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका एवं ए.एन.एम. से भी वर्णित योजना के कारण आये बदलावों के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम में सामाजिक रूप से

प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम बसावनपुर की कुल आबादी–600 है एवं कुल परिवारों की संख्या–90 तथा मतदाताओं की संख्या–401 है। ग्राम बसावनपुर में नल कनेक्शन स्कोप–90 है जिसके

सापेक्ष 90 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में कुल लगभग 1030 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 80 प्रतिशत भूमि उपजाऊ है। सिंचाई सुविधाओं के अभाव के कारण जल गहन फसलों का उत्पादन कम होता है। ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों पर निर्भर है जिससे वह आय प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग नौकरी के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग नौकरी के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं और वापस आ जाते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके जीवकोपार्जन कर रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम बसावनपुर, विकास खण्ड मानिकपुर में एक कम्पोजिट विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कुल 52 विद्यार्थी नामांकित हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमती तहसीमा ने बताया कि विद्यालय में कुल स्टॉफ की संख्या–03 है। विद्यालय को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त किया जा चुका है।

विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालय में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया। विद्यालय में पठन–पाठन का बेहतर माहौल है।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। बसावनपुर ग्राम की कुल जनसंख्या 600 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 600/10 = 60 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 30 महिला एवं 30

पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में बसावनपुर ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

बसावनपुर ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि बसावनपुर ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम बसावनपुर का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन विधियों के आधार पर टीम सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा हुए सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में आंकड़ों को प्राप्त करने के लिए कुल 30 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिला न्यादर्शों को सम्मिलित किया गया है जबकि अन्य आयामों पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सभी (60) न्यादर्शों से आंकड़ों को प्राप्त किया गया है। उत्तरदाताओं से महिलाओं के जीवन–स्तर पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि वर्णित योजना के कारण सभी परिवारों के स्वच्छ पेयजल प्राप्त हो रहा है जिसके कारण जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है, परिणामस्वरूप इलाज पर होने वाले खर्च में कमी एवं शारीरिक तथा मानसिक स्थितियों में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि पेट संबंधी बीमारियां स्वच्छ जल के कारण बहुत कम हुई हैं। इसी प्रकार से 94 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से समय एवं धन की बचत होने के कारण व्यावसायिक गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों के अनुसार जल संकट के समाधान के कारण महिलाओं के कार्य बोझ में कमी आयी है। योजना के कारण महिलाओं में शौचालय के उपयोग की दर भी बढ़ी है जिसके कारण महिलाओं को सुलभता हुई है और उनके सम्मान एवं सुरक्षा को भी संरक्षण मिला है। समय एवं धन की बचत के साथ ही स्वास्थ्य में आये सुधार के कारण महिलाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन तथा अन्य संबद्ध गतिविधियों में बढ़ी है। बच्चों की शिक्षा पर भी महिलायें पूर्व की अपेक्षा अधिक ध्यान दे रही हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य में समग्र सुधार एवं परिवार व बच्चों की देखभाल पर अधिक समय देने के कारण परिवार व समाज में उनके सम्मान में वृद्धि देखी गयी है। इस प्रकार से यह कहना समीचीन होगा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा महिलाओं के जीवन में व्यापक स्तर पर सुधार आया है। अब वह सम्मानजनक जीवन समाज में जी रही हैं। उनके कार्य बोझ में कमी आने के कारण उन्हें अन्य कार्यों में भागीदारी का अवसर प्राप्त हुआ है जिससे उनकी भूमिका को परिवार व

समाज में पहचान मिली है। इस प्रकार से वर्णित योजना ने महिलाओं के जीवन में समग्र सुधार का पोषित किया है जिसके कारण वह सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम बसावनपुर में सरकार द्वारा एक कमोजिट विद्यालय संचालित किया जा रहा

है। विद्यालय में कुल 03 शिक्षक हैं। विद्यालय मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से विद्यालय में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की

उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण गांव के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण शिक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न हुई है। 94 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि घर में बच्चों को पढ़ने का पूरा समय दिया जा रहा है एवं उन्हें अध्ययन हेतु प्रेरित किया जा रहा है। सुबह बच्चों को 4 या 5 बजे जगा दिया जाता है जिससे कि वह अध्ययन कर सकें। कम्पोजिट विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती तससीमा से चर्चा में ज्ञात हुआ कि विद्यालय में बच्चों के नामांकन दर में सुधार, ड्राप आउट की दर में कमी एवं उपस्थिति में बढ़ोत्तरी हुई है। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों से चर्चा में पाया गया कि विद्यालय में शिक्षक नियमित रूप से कक्षायें लेते हैं तथा बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चों ने बताया कि विद्यालय में आवश्यक सभी सुविधायें उपलब्ध हैं जिसके कारण शिक्षा का अच्छा परिवेश उत्पन्न हुआ है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

प्रस्तुत खण्ड के अंतर्गत न्यादर्शों से चर्चा करने पर 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से पेट संबंधी एवं जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है। 97 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आने के से धन की बचत हुई है। अब डॉक्टर के पास ज्यादा जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि जल उपलब्धता के कारण शौचालयों में पर्याप्त जल

रहता है जिसके कारण उसका उपयोग लोग नियमित रूप से कर रहे हैं, परिणामस्वरूप बीमारियों में कमी आयी है। उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय तो सरकार ने बनवा दिया था लेकिन जल की कमी के कारण उसका उपयोग लोग नहीं करते थे, क्योंकि एक बार शौचालय जाने में कम–से–कम 10–15 लीटर जल

लगता था। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि अब स्वास्थ्य ठीक रहने के कारण वह स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं जिससे उनके कार्य प्रदर्शन में सुधार आया है। महिलाओं ने बताया कि पूर्व में कई बार शौच हेतु

जाना पड़ता था क्योंकि पेट साफ नहीं रहता था, अब स्वच्छ पेयजल के कारण इससे मुक्ति मिल गयी है। बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आने से उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास उचित रूप से हो रहा है। ध्यातव्य है कि ''हर घर नल—हर घर जल'' योजना द्वारा बसावन गांव के लोगों के समग्र स्वास्थ्य की प्राप्ति में सफलतापूर्वक कार्य किया गया है जिससे लोगों में खुशहाली आयी है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल—हर घर जल'' योजना द्वारा सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा दिया गया है। अध्ययन की इकाइयों ने बताया कि पूर्व में केवल गांव के समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की पहुंच थी। निम्न आय एवं जाति के लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित थे क्योंकि वह स्वच्छ पेयजल पर होने वाले खर्च का वहन नहीं कर सकते थे। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि जल संकट के समाधान एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य में सुधार तो आया ही, साथ ही गांव में समानता एवं समरसता का भाव भी विकसित हुआ है। लोगों में अपनेपन की भावना आयी है, सहकार एवं सहयोग विकसित हुआ है। योजना द्वारा लोगों के समग्र विकास के कारण उनके जीवन—स्तर में सुधार आया है जिससे सामाजिक गतिशीलता को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है। जीवन—स्तर उच्च होने के कारण लोगों की सोच में आये परिवर्तन का प्रभाव वैवाहिक मामलों में भी देखा गया है। बाल—विवाह एवं दहेज की समस्या में कमी आयी है और लड़के एवं

लड़की की पसंद को प्राथमिकता दी जा रही है। गांव में वैवाहिक संबंधों में बढ़ोत्तरी हुई है क्योंकि मुख्य समस्या का समाधान ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने कर दिया है। अतएव यह कहना समीचीन होगा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने बृहद

स्तर पर परिवर्तन को प्रेरित करके लोगों के जीवन में बदलाव किया है।

8.5 रोजगार के अवसर

हितधारकों एवं न्यादर्शों से चर्चा करने पर ज्ञात हुआ कि ग्राम बसावनपुर में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव के लगभग 90 प्रतिशत लोग कृषि से रोजगार एवं आय प्राप्त करते हैं। गांव के कुछ लोग कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय भी कर रहे हैं, तो कुछ लोग बाहर शहरों में भी आजीविका के

कारण पलायन कर गये हैं। न्यादर्शों से युवाओं के रोजगार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 92 प्रतिशत ने बताया कि खेती–किसानी में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है और स्व–रोजगार की ओर भी युवा लोग उन्मुख हुए हैं। अध्ययन में सम्मिलित 90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि अब गांव में जल संकट का शमन हो गया है और लगभग सभी मूलभूत सुविधायें गांव में युवाओं को मिल रही हैं। युवाओं के एक समूह से

चर्चा करने पर बताया गया कि वह गांव में रहने एवं यहीं पर रोजगार करने के इच्छुक हैं। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि वर्णित योजना के कारण युवाओं के आत्म–विश्वास में वृद्धि हुई है जिससे वह विभिन्न प्रकार के रोजगार एवं स्व–रोजगार में संलग्न होकर आत्म–निर्भर बन रहे हैं।

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर किये गये सर्वेक्षण से स्पष्ट होता है कि शासन द्वारा संचालित महत्त्वाकांक्षी योजना ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिस ध्येय को लेकर कार्य कर रही है, उस ध्येय की पुष्टि चित्रकूट जनपद के मानिकपुर विकास खण्ड के ग्राम बसावनपुर का टीम सर्वे एवं अध्ययन के पश्चात् प्राप्त आंकड़े करते हैं। प्राप्त आंकड़े एवं अवलोकन से पता चलता है कि ग्राम बसावनपुर में सरकार द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर रही है एवं ग्राम बसावनपुर की आबादी ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना के अंतर्गत कृत कार्यों से पूर्ण रूप से संतुष्ट है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा लोगों के जीवन में समग्र सुधार आया है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिलाओं की दशा में योजना द्वारा सकारात्मक परिवर्तन किया गया हैं जिससे गांव के लोगों में यह योजना खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- ग्राम बसावनपुर के लोगों को जल अपव्यय के प्रति सचेत एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाये।
- ग्राम बसावनपुर के लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।

- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की प्रभावकारिता को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं।

ग्राम मानिकपुर रूरल, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम मानिकपुर रूरल,

विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम मानिकपुर रूरल, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री प्रमोद कुमार से परिचर्चा करके ग्राम मानिकपुर रूरल के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान से बात करके मानिकपुर रूरल ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम मानिकपुर रूरल में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। गांव में आँगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य केन्द्र का अभाव पाया गया। ग्राम की आशा एवं ए. एन.एम. से चर्चा करके वर्णित योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम मानिकपुर रूरल की कुल आबादी–1475 है एवं कुल परिवारों की संख्या–295 तथा मतदाताओं की संख्या–750 है। ग्राम में नल कनेक्शन स्कोप–295 है जिसके सापेक्ष 295 नल कनेक्शन दिये गये हैं अर्थात् ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

मानिकपुर रूरल ग्राम में कुल लगभग 475 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है जिसमें से 259 हेक्टेयर भूमि पर उपजाऊ होने के कारण खेती–किसानी की जाती है। गांव के लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं दिहाड़ी–मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से रोजगार प्राप्त करती है। गांव के कुछ लोग आजीविका के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं,

वहीं कुछ लोग आजीविका के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं। गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके अपनी जीविका चला रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम मानिकपुर रूरल, विकास खण्ड मानिकपुर में एक प्राथमिक विद्यालय शासन द्वारा संचालित किया जा रहा है। विद्यालय में कुल 76 विद्यार्थी नामांकित हैं जिसमें से

32 बालक एवं 44 बालिकायें हैं। नामांकित बच्चों में बालिकाओं की संख्या अपेक्षाकृत

अधिक है। प्राथमिक विद्यालय में कुल स्टॉफ की संख्या– 03 है। प्राथमिक विद्यालय ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त हैं जिससे नियमित रूप से स्वच्छ पयेजल की आपूर्ति की जा रही है। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालय में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया।

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। मानिकपुर रूरल ग्राम की कुल जनसंख्या 1475 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 1475/10 = 148 (पूर्ण करने पर) न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 74 महिला एवं 74 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में मानिकपुर रूरल ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

मानिकपुर रूरल ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण

जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि मानिकपुर रूरल ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम मानिकपुर रूरल का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन विधियों के आधार पर टीम सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम मानिकपुर रूरल में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर में आये बदलावों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। कुल 74 महिला न्यादर्शों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस खण्ड के अंतर्गत किये गये अध्ययन का विवरण इस प्रकार से है–

अध्ययन में सम्मिलित कुल 74 महिलाओं में से 100 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के बाद से सभी परिवारों

को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार आया है, पेट संबंधी बीमारियों में कमी एवं अन्य जल–जनित बीमारियां भी कम हुई हैं। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वच्छ

पेयजल की उपलब्धता के कारण बीमारियों में कमी आने से इलाज पर खर्च होने वाले पैसे की बचत हुई है जिसका निवेश वह परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति एवं बच्चों की शिक्षा तथा व्यावसायिक कार्यों में कर रही हैं। 95 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन में बढ़ी है जिसके कारण उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। अध्ययन की 97 प्रतिशत इकाइयों ने कहा कि घर पर ही पेयजल की आपूर्ति होने के कारण महिलाओं के कार्य बोझ में कमी आयी है। न्यादर्शों से चर्चा करने पर 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि घर में बने शौचालय अब जल की उपलब्धता के कारण पूर्ण रूप से क्रियात्मक हो गये हैं जिससे उन्हें बहुत सहूलियत हुई है। अध्ययन में सम्मिलित सभी महिलाओं ने बताया कि बच्चों एवं परिवार को अधिक समय देने के कारण उनके सम्मान में वृद्धि हुई है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

ग्राम मानिकपुर रूरल में सरकार द्वारा संचालित प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री चंद्रशेखर आजाद से परिचर्चा में पाया गया कि विद्यालय में सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं जिसके कारण बच्चों के नामांकन दर में वृद्धि हुई है। प्रधानाचार्य ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण बच्चों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार आया है जिसका प्रत्यक्ष प्रभाव बच्चों की शिक्षा पर पड़ा है। बालिकाओं का नामांकन बालकों की अपेक्षा विद्यालय में अधिक है जिससे पुष्टि होती है बालिकाओं की शिक्षा में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा अधिक सुधार आया है और वह घर की चहारदीवारी से

बाहर निकलकर शिक्षित हो रही हैं जो कि समावेशी एवं सतत् विकास को इंगित करता है। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से परिचर्चा में पाया गया कि ''हर घर

नल–हर घर जल'' योजना के कारण गांव में निवासित लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता का सृजन हुआ है और वह शिक्षा के महत्त्व को समझ रहे हैं।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

इस खण्ड के अंतर्गत न्यादर्श में सम्मिलित कुल 148 उत्तरदाताओं में से सभी 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना लागू होने के बाद

से पेट दर्द की समस्या से छुटकारा मिल गया है क्योंकि पूर्व में दूषित जल पीने के कारण प्रायः पेट दर्द की समस्या बनी रहती थी। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण उनका स्वास्थ्य उन्नत हुआ है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि दूषित जल से मुक्ति मिलने के कारण पेचिस, दस्त एवं डायरिया जैसी जल–जनित बीमारियां बहुत कम हुई हैं। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है जिसके कारण धन की बचत हुई है। लोगों ने यह भी बताया कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी पूर्व की अपेक्षा बेहतर हुआ है। 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि शौचालयों के कार्यात्मक होने से गंदगी से फैलने वाली बीमारियों में कमी आयी है क्योंकि अब शौचालय में पर्याप्त जल उपलब्ध रहता है। बच्चों एवं वृद्धों के स्वास्थ्य में भी अधिक सुधार देखा गया है जिसके कारण वह स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन जी रहे हैं। इस प्रकार से स्पष्ट है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा समग्र स्वास्थ्य में सुधार किया गया है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पूर्व गांव के केवल उच्च जाति एवं समृद्ध लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता थी। योजना के संचालन के बाद से सभी परिवारों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त हुआ है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया

कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण जल संकट का समाधान हुआ है तथा जल के लिए होने वाले झगड़ों में कमी आयी है। 95 प्रतिशत लोगों ने बताया कि गांव

में सामाजिक एकता स्थापित हुई है, सहकार का भाव आया है जिससे लोग खुशहाल जीवन व्यतीत कर रहे हैं। शादी–विवाह के संदर्भ में बात करने पर 90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि दहेज एवं बाल–विवाह की समस्या में कमी आयी है। अब

लोग इसे हतोत्साहित कर रहे हैं। वैवाहिक कार्यक्रमों में खर्च अधिक बढ़ा है। इस प्रकार से सामाजिक गतिशीलता में वृद्धि एवं लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम मानिकपुर रूरल के अधिकतर लोग कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से अपनी जीविका चला रहे हैं। कुछ लोग दिहाड़ी–मजदूरी करके भी जीवकोपार्जन कर रहे हैं। न्यादर्शों से चर्चा करने पर 94 प्रतिशत लोगों ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के बाद से लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है जिसके कारण व्यावसायिक गतिविधियों में लोगों की भागीदारी बढ़ी है। अध्ययन में सम्मिलित 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि कुशल कामगार के रूप में युवा लोग प्राइवेट नौकरियों में भी काम कर रहे हैं। 93 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है, युवा लोग गांव में ही रहकर जीवकापार्जन करने के इच्छुक हैं। युवाओं की भागीदारी खेती–किसानी में बढ़ी हैं। अवलोकन में पाया गया कि गांव के अनेक युवा दूकान जैसे– किराना, मोबइल शॉप, गोलगप्पे, सब्जी की दूकान आदि द्वारा अपनी जीविका चला रहे हैं। युवाओं के लिए गांव में ही रोजगार के विकल्प उपलब्ध होने के कारण उनके पलायन में कमी आयी है साथ ही उनमें आत्म–विश्वास का भी सृजन हुआ है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा रोजगार के क्षेत्र को व्यापक रूप से सकारात्मक ढंग से प्रभावित किया गया है।

निष्कर्षतः हितधारकों एवं न्यादर्शों से अध्ययन के उपरांत प्राप्त आंकड़ों के आधार पर पुष्टि होती है कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ग्राम मानिकपुर रूरल, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रही है। ग्राम के लोगों के जीवन–स्तर को उच्च करने में योजना भी भूमिका सराहनीय रही है। विकास के विभिन्न आयामों पर योजना द्वारा सकारात्मक प्रभाव डाला गया है। यह योजना लोगों में खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है। गांव में जल के अपव्यय की समस्या अधिक देखी गयी है जिसके समाधान के लिए यहां पर कुछ सुझाव दिये जा रहे हैं।

9.0 सुझाव

- लोगों को जल अपव्यय के प्रति सावधान एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति सचेत किया जाये।
- ग्राम में निवासित लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित चेतित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

ग्राम सरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट

ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक पसिरहटर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम सरहट, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन प्रस्तुत अध्ययन में किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम सरहट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं स्वयं सहायता समूह के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। शक्ति संरचना में सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री प्रमोद कुमार से ग्राम सरहट की समग्रता के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम प्रधान के साथ–साथ निवर्तमान प्रधान एवं ग्राम के सभी वार्ड सदस्यों से भी बात करके सरहट ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा आये बदलावो के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम सरहट में संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं,

विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका एवं आशा कार्यकत्री से बात करके गर्भवती महिलाओं,

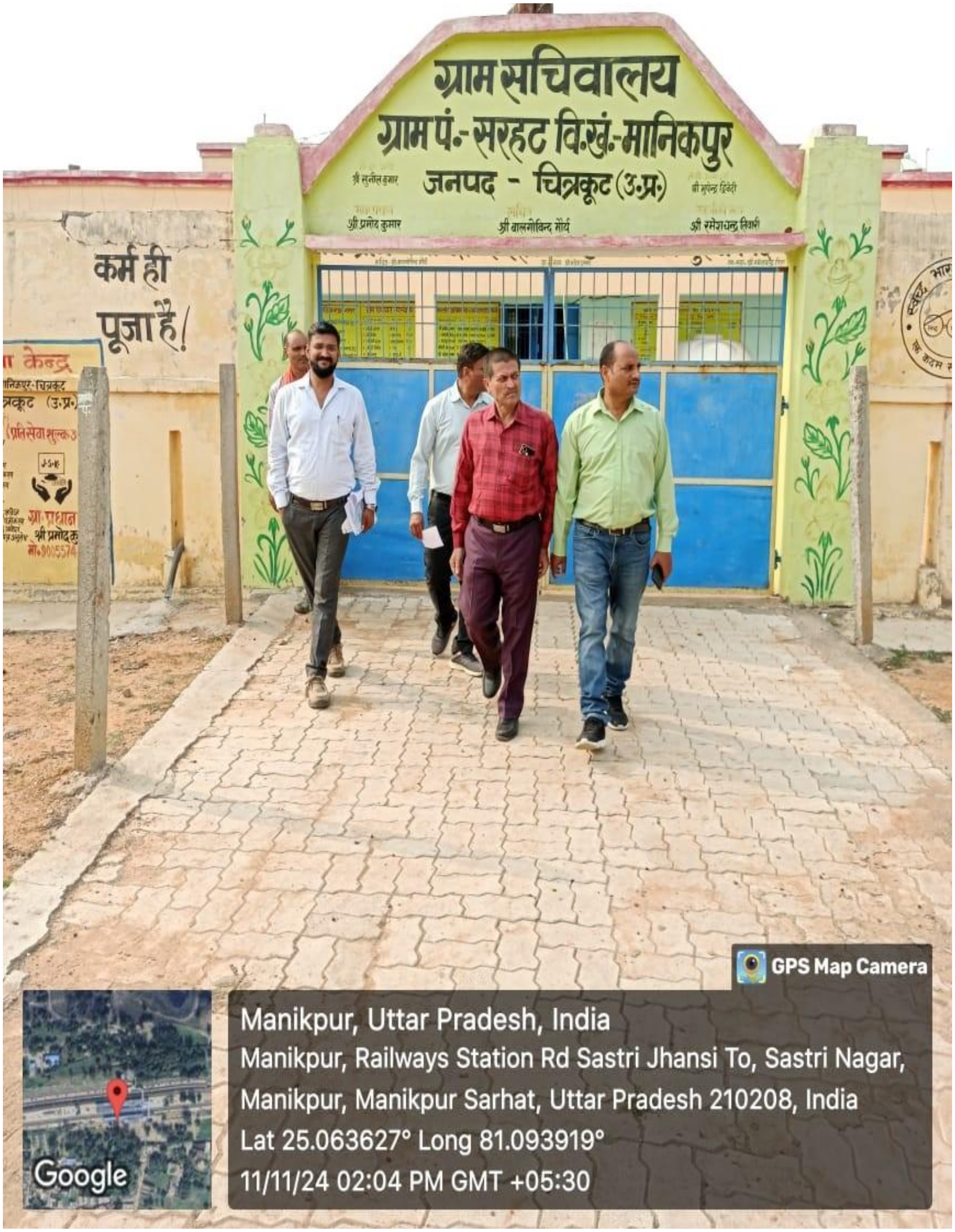

स्तनपान कराने वाली माताओं एवं शिशुओं के स्वास्थ्य तथा टीकाकरण आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी। स्वयं सहायता समूह के सदस्यों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। इसके पश्चात् न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों का अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम सरहट की कुल आबादी लगभग–900 है एवं कुल परिवारों की संख्या–167 तथा मतदाताओं की संख्या–550 है। ग्राम सरहट में नल कनेक्शन स्कोप–167 है जिसके सापेक्ष 167 नल कनेक्शन दिये गये हैं अर्थात् गांव के सभी परिवारों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त करते हुए नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम सरहट से संबद्ध हितधारकों एवं न्यादर्श में सम्मिलित इकाइयों से परिचर्चा में प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सरहट में लगभग 679 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 476 हेक्टेयर जमीन उपजाऊ है जिस पर कृषि कार्य किया जाता है। गांव में दलहन फसलों उत्पादन अधिक होता है। गांव की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार

कृषि एवं मजदूरी है, क्योंकि अधिकांश आबादी कृषि एवं मजदूरी से ही अपनी आजीविका चला रही है। कुछ लोग शहरों में जीवकापार्जन हेतु पलायन कर गये हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम सरहट में दो प्राथमिक एवं एक उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से संतृप्त किया जा चुका है जिससे नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही है। दोनों विद्यालयों में पठन–पाठन का अच्छा माहौल है। उक्त दोनों विद्यालय मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित हैं। विद्यालयों में बने शौचालय पूर्ण रूप से कार्यात्मक स्थिति में हैं।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। सरहट ग्राम की कुल जनसंख्या 900 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 900/10 = 90 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 45 महिला एवं 45 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा

उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में सरहट ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

सरहट ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि सरहट ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना का लाभार्थी नहीं था।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम सरहट का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन के आधार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा लोगों के जीवन–स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। न्यादर्श की इकाइयों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण वस्तुनिष्ठ एवं निष्पक्ष रूप से करते हुए निष्कर्ष निकाले गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

प्रस्तुत अध्ययन के इस खण्ड के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम सरहट में निवासित महिलाओं के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करने के लिए कुल 45 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिलाओं से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित सभी 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालित होने के बाद से पेट संबंधी बीमारियों में कमी आयी है। 96 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण अब इलाज हेतु खर्च में कमी आयी है जिससे धन की बचत हुई है। 92 प्रतिशत

महिला उत्तरदाताओं के अनुसार वर्णित योजना के कारण समय की बचत हुई है जिसका प्रयोग वह बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर कर रही हैं। आँगनबाड़ी कार्यकत्री से परिचर्चा में ज्ञात हुआ कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य में सुधार आया है। गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य में बहुत सुधार हुआ है। 97 प्रतिशत महिलाओं ने कहा कि अब स्वच्छ पेयजल के कारण वह अधिक ऊर्जावान महसूस करती हैं। 90 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि धन की बचत होने से महिलाओं द्वारा छोटे–मोटे रोजगार में धन का निवेश भी किया जा रहा है जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा करने पर 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम सरहट में शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता आयी है। अध्ययन में सम्मिलित 97 प्रतिशत इकाइयों के अनुसार अभिभावकों द्वारा बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजा जा रहा है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब घर पर भी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिससे उनकी शिक्षा में सुधार आया है। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण बच्चों के नामांकन दर में सुधार, ड्राप आउट की दर में कमी तथा उपस्थिति में वृद्धि हुई है। अब बच्चे पूरे समय विद्यालय में रूक कर पढ़ाई कर रहे हैं।

बच्चों की बोध क्षमता में सुधार आने की बात भी विद्यालय के शिक्षकों ने बताया। अवलोकन में पाया गया कि विद्यालय में सभी बच्चे अपनी–अपनी कक्षाओं में उपस्थित थे और शिक्षक पढ़ाते हुए पाये गये। अभिभावकों में जागरूकता आने के कारण गांव में शिक्षा के प्रति बहुत सुधार आया है। बालिकायें भी नियमित रूप से विद्यालय जा रही हैं। उत्तरदाताओं ने बताया कि पूर्व में बालिकाओं की शिक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता था लेकिन अब समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित सभी उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा सरहट ग्राम में निवासित लोगों के स्वास्थ्य में बृहद स्तर पर सुधार आया है जिसके कारण लोगों का शारीरिक एवं मानसिक विकास हुआ है। कुल 98 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के कारण स्वास्थ्य में सुधार आने से इलाज पर खर्च होने वाले पैसे की बचत हुई है। इसी प्रकार से 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण चर्म रोगों में भी सुधार हुआ है। 94 प्रतिशत इकाइयों ने बताया कि पाचन शक्ति में सुधार आने के कारण पेट साफ रहता है जिससे पेट में गैस की समस्या से छुटकारा मिला है। 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि शौचालयों में जल उपलब्धता के कारण वह उसका नियमित रूप से उपयोग कर रहे हैं जिसके कारण गंदगी से फैलने वाली बीमारियों में कमी आयी है। 95 प्रतिशत महिला न्यादर्शों ने बताया कि पूर्व में दूर से जल लाने के

कारण महिलाओं के गर्दन में प्रायः दर्द हुआ करता था जिससे अब मुक्ति मिल गई है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं के अनुसार पूर्व में दूषित जल पीने के कारण हड्डियां कमजोर

पड़ जाती थी जिससे उनकी कार्यात्मक क्षमता घट जाती थी। अवलोकन में पाया गया कि गांव में निवासित लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है। उनमें योजना के प्रति खुशहाली का भाव है।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होने के पूर्व गांव के केवल समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों

तक ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित थी। निम्न आय एवं जाति के लोगों को स्वच्छ पेयजल प्राप्त नहीं था जिसके कारण उन्हें दूषित जल से ही काम चलाना पड़ता था। वर्णित योजना के आने से प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल की नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है जिससे जल संकट के समाधान के साथ ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी सभी परिवारों को हुई है। अध्ययन में सम्मिलित 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा ग्राम में सामाजिक एकता एवं सहकार तथा सहयोग का भाव आया है जिससे गांव में शांति एवं अपनेपन की भावना लोगों में स्थापित हुई है। 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि रहन–सहन का स्तर उच्च होने से शादी–विवाह में भी परिवर्तन देखा जा रहा है। अब विवाहों में खूब खर्च किया जा रहा है। रस्मों–रिवाजों में भी परिवर्तन आया है। बाहरी लोग गांव में रिश्ता करना पसंद कर रहे हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा व्यापक रूप से सामाजिक व्यवहार में परिवर्तन आया है।

8.5 रोजगार के अवसर

ग्राम सरहट की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है, इसलिए सरहट ग्राम में निवासित अधिकांश लोग कृषि पर आधारित जीवन का निर्वाह कर रहे हैं। गांव में कृषि योग्य कुल 476 हेक्टेयर जमीन उपलब्ध है जिस पर अच्छी खेती होती है। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के कारण महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी कृषि एवं संबद्ध कार्यों में बढ़ी है। 95 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि युवाओं की

भूमिका कृषि एवं पशुपालन तथा संबद्ध गतिविधियों में बढ़ी है। कुशल कामगार के रूप युवा लोग प्राइवेट नौकरियां भी कर रहे हैं। रोजगार सेवक से बात करने पर उन्होंने बताया कि युवाओं के पलायन में कमी आने के कारण मनरेगा में युवाओं द्वारा काम की माँग में वृद्धि हुई है। 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि गांव में स्वच्छ पेयजल एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के कारण युवाओं में अपने गांव में ही रहकर स्व–रोजगार करने की भावना आयी है। अवलोकन में पाया गया कि युवाओं द्वारा रोजगार के उपलब्ध विविध विकल्पों में हाथ आजमाया जा रहा है जिससे उन्हें रोजगार प्राप्त होने के साथ ही उनके आत्म–विश्वास में भी वृद्धि हुई है।

ग्राम सरहट में ''जल जीवन मिशन'' योजनांतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिस ध्येय को संबोधित होकर कार्य कर रही है, उसके प्राप्ति की पुष्टि प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सहभागी मूल्यांकन के आधार पर प्राप्त आंकड़े करते हैं। सरकार द्वारा संचालित एवं पोषित परियोजना के अंतर्गत कृत कार्य से सरहट ग्राम में रूपांतरकारी एवं उल्लेखनीय बदलावों को प्रेरित किया गया है। ग्राम के लोगों में योजना के प्रति संतृष्टि का भाव है। यह योजना लोगों का समग्र विकास करते हुए उनकी खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- ग्राम में निवासित आबादी को जल अपव्यय के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक, शिक्षित एवं सचेत किये जाने की जरूरत है।

- लोगों का समझाने की जरूरत है कि जल प्रकृति की अमूल्य धरोहर है जिसके संरक्षण की हम सबकी जिम्मेदारी है जिससे कि वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों को जल संकट का सामना ना करना पड़े।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लिया जाना चाहिए।
- समुदाय का व्यवहार परिवर्तन करने के लिए समाज कार्य हस्तक्षेप की आवश्यकता है।
- लोगों को जागरूक एवं चेतना का विकास विकास करने के लिए गैर–सरकारी संगठनों का सहयोग लिया जाना चाहिए।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से भी सहयोग लिया जाना अपेक्षित होगा।

उपर्युक्त उपायों को अपनाकर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के और बेहतर परिणामों को प्राप्त किया जा सकता है और जल संरक्षण द्वारा भविष्य की चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है। सतत् कृषि में भी जल संरक्षण का महत्त्वपूर्ण योगदान है। सामाजिक तनाव एवं महिला सशक्तिकरण में भी जल को संरक्षित करके लाभ लिया जा सकता है।

ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट

प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवासित प्रत्येक परिवार को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2019 से संचालित ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना का ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों के जीवन स्तर पर पड़ने वाले प्रभाव का अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन विधियों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

1.0 अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट की कुल जनसंख्या, ग्राम में परिवारों की संख्या, जातीय समीकरण, नल संयोजनों की संख्या, शक्ति संरचना, प्राथमिक विद्यालयों की संख्या, पूर्व–माध्यमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आय के साधन एवं कृषि आदि के संदर्भ में जानकारी प्राप्त की गयी।

अध्ययन के अंतर्गत सर्वप्रथम ग्राम प्रधान श्री सत्यनारायण यादव से परिचर्चा करके ग्राम हनुवा के संबंध में समग्र जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् ग्राम प्रधान से ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना द्वारा कृत कार्यों की स्थिति एवं उससे ग्राम में निवासित लोगों के जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में चर्चा किया गया। तत्पश्चात् अन्य पंचायत सदस्यों एवं निवर्तमान ग्राम प्रधान से बात करके हनुवा ग्राम की मूलभूत समस्याओं एवं उपलब्ध भौतिक संसाधनों तथा ''हर

घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके अतिरिक्त ग्राम हनुवा में संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों तथा विद्यालय में नामांकित विद्यार्थियों से बातचीत कर विद्यालय में छात्र/छात्राओं के नामांकन, ड्राप आउट

की दर, विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें, विद्यालय में नल संयोजन की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की गई। ग्राम में संचालित आँगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका एवं ए.एन.एम. से भी वर्णित योजना के कारण आये बदलावों के संदर्भ में बात किया गया। ग्राम में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित एवं स्वीकृत लोगों से भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संदर्भ में चर्चा करके अपेक्षित जानकारी प्राप्त की गयी। इसके पश्चात् न्यादर्श

में सम्मिलित इकाइयों से घर–घर जाकर प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करके ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन के पश्चात् उनके जीवन में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित की गयी तथा वर्णित योजना द्वारा ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये बदलावों एवं ग्राम में नल कनेक्शन की स्थिति तथा स्वच्छता, शिक्षा एवं महिलाओं की स्थिति का भी अवलोकन किया गया।

2.0 जनसंख्या एवं नल संयोजन की स्थिति

ग्राम हनुवा की कुल आबादी–5500 है एवं कुल परिवारों की संख्या–721 तथा मतदाताओं की संख्या–3500 है। ग्राम हनुवा में नल कनेक्शन स्कोप–721 है जिसके सापेक्ष 721 नल कनेक्शन दिये गये हैं। ग्राम में निवासित प्रत्येक परिवार को नल कनेक्शन से आच्छादित किया जा चुका है जिससे उन्हें नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

3.0 कृषि की स्थिति एवं आय के स्त्रोत

ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में कुल लगभग 6500 बीघा जमीन उपलब्ध है जिसमें से लगभग 5000 बीघा भूमि उपजाऊ है जिसमें कृषि कार्य किया जाता है। सिंचाई सुविधाओं के अभाव के कारण जल गहन फसलों का उत्पादन कम होता है। ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर, जनपद चित्रकूट में निवासित लोगों की आय का मुख्य साधन कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव की अधिकांश आबादी कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों पर निर्भर है जिससे वह आय प्राप्त करती है। गांव के कुछ

लोग नौकरी के कारण स्थायी रूप से शहरों एवं महानगरों में पलायन कर गये हैं, वहीं कुछ लोग नौकरी के कारण मौसमी रूप से पलायन करते हैं और वापस आ जाते हैं।

गांव के कुछ लोग अपने गांव अथवा आस–पास के गांवों में छोटे–मोटे काम–धन्धें करके जीवकोपार्जन कर रहे हैं।

4.0 ग्राम में विद्यालय की स्थिति

ग्राम हनुवा, विकास खण्ड मानिकपुर में कुल चार प्राथमिक एवं दो उच्च प्राथमिक विद्यालय सरकार द्वारा संचालित किया जा रहा है। सभी विद्यालयों में कुल मिलाकर 350 विद्यार्थी नामांकित हैं। विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक नियोजित हैं जिससे पठन–पाठन का बेहतर माहौल विद्यालय में है। गांव के सभी विद्यालयों को ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से पूर्णतः संतृप्त किया जा चुका है जिससे नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। विद्यालय में लगभग सभी मूलभूत सुविधायें उपलब्ध हैं और विद्यालय में विद्यार्थी–शिक्षक अनुपात उचित पाया गया।

नोट : *अध्ययन का उद्देश्य, उपकल्पना, प्रणाली तथा उपकरण पूर्व वर्णित विषय के अनुसार ही सुनिश्चित किया गया है।*

5.0 निदर्श निर्धारण

प्रस्तुत अध्ययन में निदर्श की इकाइयों के निर्धारण हेतु स्तरीकृत दैव निदर्शन विधि का प्रयोग किया गया है। हनुवा ग्राम की कुल जनसंख्या 5500 के 1/10 वें भाग को प्रत्येक प्रस्तर से अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। इस प्रकार से 5500/10 = 550 न्यादर्शों को प्रस्तुत अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जिसमें 275 महिला एवं 275 पुरूष सम्मिलित हैं। अध्ययन में सम्मिलित न्यादर्श की इकाइयों से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा उनके जीवन–स्तर में आये बदलावों के संदर्भ में जानकारी एकत्रित

की गयी है। इसके अतिरिक्त प्रस्तुत अध्ययन में हनुवा ग्राम से संबद्ध हितधारकों से भी वर्णित योजना द्वारा आये बदलावों के संदर्भ में परिचर्चा किया गया है।

6.0 समाविष्ट के मानदण्ड

हनुवा ग्राम में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित परियोजना ''हर घर नल–हर घर जल'' द्वारा लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों के मूल्यांकन हेतु ग्राम की सम्पूर्ण जनसंख्या के 1/10 वें भाग के साथ ही, ग्राम से संबद्ध हितधारकों को भी अध्ययन का आधार बनाया गया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर के स्त्री एवं पुरूष सम्मिलित हैं।

7.0 बहिष्करण के मानदण्ड

प्रस्तुत अध्ययन में किसी–भी ऐसी इकाई को न्यादर्श एवं हितधारकों के रूप में सम्मिलित नहीं किया गया है, जो कि हनुवा ग्राम से सम्बद्ध और वर्णित योजना के लाभार्थी नहीं थे।

8.0 परिणाम एवं चर्चा

ग्राम हनुवा का सहभागी मूल्यांकन एवं अवलोकन विधियों के आधार पर टीम सर्वेक्षण द्वारा प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्रस्तुत किये गये हैं, जो इस प्रकार हैं–

8.1 सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में

''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा आये सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में आंकड़ों को प्राप्त करने के लिए कुल 275 (कुल न्यादर्शों का 50 प्रतिशत) महिला न्यादर्शों को सम्मिलित किया गया है जबकि अन्य आयामों पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना

के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सभी (550) न्यादर्शों से आंकड़ों को प्राप्त किया गया है।

अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से महिलाओं के जीवन–स्तर पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर न्यादर्श में सम्मिलित सभी महिलाओं ने बताया कि अब सभी परिवारों को स्वच्छ जल की प्राप्ति हो रही है जिससे लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण स्वास्थ्य में सुधार आने से इलाज पर होने वाले खर्च में कमी आयी है और अब बहुत कम ही डॉक्टर के पास जाना पड़ता है। अध्ययन में सम्मिलित 98 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने बताया कि स्वास्थ्य में सुधार आने के कारण महिलाओं की भागीदारी कृषि एवं पशुपालन तथा अन्य रोजगारपरक कार्यों में बढ़ी है जिससे उन्हें अधिक आय प्राप्त हो रही है। 100 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वर्णित योजना के कारण महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार आया है। समय की बचत होने के कारण महिलायें अब बच्चों की देखभाल एवं शिक्षा पर अधिक समय दे रही हैं जिससे बच्चों का पालन–पोषण उचित रूप से हो रहा है। 91 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि पूर्व में दूर से जल भरकर लाने के कारण कमर एवं कंधों में दर्द बना रहता था लेकिन अब इस समस्या से छुटकारा मिला है। सभी महिलाओं ने बताया कि शौचालयों में जल की उपलब्धता के कारण उसका महिलायें नियमित रूप से प्रयोग कर रही हैं। टूटे–फूटे शौचालयों की मरम्मत भी करवा लिया गया है ताकि महिलाओं को बाहर शौच के लिए बाहर ना जाना पड़े। कार्य बोझ में कमी आने के कारण परिवार में शांति का माहौल बना है। इस प्रकार से यह कहा जा सकता है कि ''हर घर नल–हर घर जल''

योजना ने महिलाओं की सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों में परिवर्तन करके उन्हें एक सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान किया है।

8.2 शिक्षा की स्थिति में बदलाव

अध्ययन में पाया गया कि ग्राम हनुवा में कुल चार प्राथमिक एवं दो उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित हैं। सभी विद्यालयों में पढ़ाई–लिखाई का बेहतर माहौल है। विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक भी हैं। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण गांव के लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता का विकास हुआ है। 96 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि सभी बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं और घर पर भी खूब पढ़ रहे हैं। शिक्षक अरूण गौतम ने बताया कि अब बच्चों के सीखने की क्षमता में सुधार आया है और वह पढ़ाये गये विषय को बेहतर ढंग से याद कर पा रहे हैं। बालिकाओं की शिक्षा में सुधार देखा गया। अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति चिंतित दिखे क्योंकि वह शिक्षा से किसी–भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहते हैं। इस प्रकार से ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण शिक्षा के क्षेत्र में सुधार आया है और गांव में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है।

8.3 स्वास्थ्य संबंधी बदलाव

प्रस्तुत खण्ड में ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वास्थ्य में आये बदलावों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन में सम्मिलित सभी 100 प्रतिशत इकाइयों ने बताया

कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से पेट संबंधी एवं जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है। इसी प्रकार से 98 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि अब इलाज पर खर्च में कमी आयी है क्योंकि जल–जनित बीमारियां कम हुई हैं। अध्ययन की 100 प्रतिशत इकाइयों ने कहा कि जल उपलब्धता के कारण शौचालयों का नियमित रूप से परिवार के सभी सदस्य प्रयोग कर रहे हैं जिसके कारण गांव खुले में शौच मुक्त हुआ है, परिणामस्वरूप बीमारियों में कमी देखने को मिल रही

है। अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत न्यादर्श की इकाइयों ने बताया कि अब स्वास्थ्य

ठीक रहने के कारण वह स्वयं को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं जिससे उनके कार्य प्रदर्शन में सुधार आया है। वर्णित योजना द्वारा सभी आयु–वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आया है जिसके कारण वह सुखमय जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

8.4 सामाजिक व्यवहार में बदलाव

अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होने के पूर्व केवल गांव के समृद्ध एवं उच्च जाति के लोगों तक ही स्वच्छ पेयजल की पहुंच थी। निम्न आय एवं जाति के लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित थे क्योंकि वह स्वच्छ पेयजल पर होने वाले खर्च का वहन करने में सक्षम नहीं थे। चूंकि अब सभी परिवारों को योजना द्वारा आच्छादित किया जा चुका है, इसलिए अध्ययन में सम्मिलित 100 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि जल के लिए होने वाले झगड़ों में कमी आयी है। गांव में सामाजिक एकता एवं सहकार का भाव विकसित हुआ है। लोग सुख एवं शांति से रह रहे हैं। ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के कारण वैवाहिक मामलों में भी परिवर्तन देखा गया है। अब दहेज एवं बाल–विवाह की समस्या में कमी आयी है और खर्च में बढ़ोत्तरी हुई है।

8.5 रोजगार के अवसर

प्रस्तुत अध्ययन में हितधारकों एवं न्यादर्शों से चर्चा करने पर पता चला कि ग्राम हनुवा में निवासित लोगों की आय का मुख्य स्त्रोत कृषि, पशुपालन एवं मजदूरी है। गांव

के कुछ लोग कृषि के साथ–साथ अन्य व्यवसाय भी कर रहे हैं, तो कुछ लोग बाहर शहरों में भी आजीविका के कारण पलायन कर गये हैं। अध्ययन में सम्मिलित उत्तरदाताओं से युवाओं के रोजगार पर ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के प्रभाव के संदर्भ में चर्चा करने पर 95 प्रतिशत लोगों ने बताया कि कृषि एवं पशुपालन में युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी वर्णित योजना के कारण बढ़ी है। 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि पूर्व की अपेक्षा युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है क्योंकि अब गांव में जल संकट का समाधान होने से गांव के प्रति उनका लगाव बढ़ा है तथा रोजगार के बेहतर विकल्प भी गांव में उपलब्ध हुए हैं जिससे युवाओं के आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी देखी जा सकती है। महिलाओं की आय में भी ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने बढ़ोत्तरी की है क्योंकि अब समय की बचत होने के कारण महिलायें भी रोजगार की ओर उन्मुख हुई हैं।

अवलोकन एवं सहभागी मूल्यांकन के आधार पर किये गये सर्वेक्षण से स्पष्ट होता है कि शासन द्वारा संचालित महत्त्वाकांक्षी योजना ''जल जीवन मिशन'' के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना जिस ध्येय को लेकर कार्य कर रही है, उस ध्येय की पुष्टि चित्रकूट जनपद के मानिकपुर विकास खण्ड के ग्राम हनुवा का टीम सर्वे एवं अध्ययन के पश्चात् प्राप्त आंकड़े करते हैं। प्राप्त आंकड़े एवं अवलोकन से पता चलता है कि ग्राम हनुवा में सरकार द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर रही है एवं ग्राम हनुवा की आबादी ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना के अंतर्गत कृत कार्यों से पूर्ण रूप से संतुष्ट है। ''हर घर नल–हर घर

जल'' योजना द्वारा लोगों के जीवन में समग्र सुधार आया है। विकास के विभिन्न आयामों के संदर्भ में अध्ययन द्वारा प्राप्त आंकड़े तस्दीक करते हैं कि ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना ने लोगों के समग्र विकास में बेहतर योगदान दिया है जिससे यह योजना हनुवा गांव में निवासित लोगों में खुशहाली का प्रतीक बनी हुई है।

9.0 सुझाव

- ग्राम हनुवा के लोगों को जल अपव्यय के प्रति सचेत एवं संवेदनशील बनाया जाये और उन्हें जल संकट के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाये।
- ग्राम हनुवा के लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाये।
- जल की उपयोगिता एवं उपादेयता को समझाने के लिए समाज कार्यकर्ताओं का सहयोग लेना समीचीन होगा।
- गैर–सरकारी संगठनों के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन।
- जल संरक्षण के लिए पंचायत सदस्यों एवं फ्रंट लाइन वर्कर से सहयोग का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

ध्यातव्य है कि उक्त सुझाव ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना की सफलता एवं उसके प्रभावकारिता में सहायक हो सकते हैं।

साक्षात्कार अनुसूची

नोट : प्रस्तुत शोध कार्य के अंतर्गत ''जल जीवन मिशन'' योजना के अंतर्गत संचालित ''हर घर नल–हर घर जल'' परियोजना से ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में आये परिवर्तनों का अध्ययन किया गया है। इस संदर्भ में आपसे सही उत्तर देने की आशा की जाती है। आपसे प्राप्त आंकड़ों को पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा जिसका प्रयोग केवल प्रस्तुत शोध कार्य में ही किया जायेगा, अन्यत्र इसका कोई–भी प्रयोग नहीं किया जाएगा।

उत्तरदाताओं का परिचय

1. नाम ....
2. लिंग ....
3. आयु ....
4. जाति ....
5. शैक्षिक स्तर ....
6. वैवाहिक स्थिति ....
7. परिवार में कुल सदस्यों की संख्या ....

उत्तरदाताओं से पूछे गये प्रश्न

1. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से महिलाओं का स्वास्थ्य स्तर सुधरा है–
   (1) हाँ (2) नहीं
2. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना संचालित होने के पश्चात् महिलाओं की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में परिवर्तन हुआ है–
   (1) हाँ (2) नहीं
3. वर्णित योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से बच्चों एवं परिवार की देखभाल पर महिलाओं द्वारा अधिक समय दिया जा रहा है–
   (1) हाँ (2) नहीं
4. उपर्युक्त योजना के संचालित होने से शिक्षा के प्रति आपके ग्राम में निवासित लोगों में जागरूकता आयी है–
   (1) हाँ (2) नहीं

5. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के लागू होने के बाद से बच्चे नियमित रूप से विद्यालय जा रहे हैं–

6. वर्णित योजना द्वारा बालक/बालिकाओं के नामांकन दर में सुधार हुआ है–

(1) हाँ (2) नहीं

7. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना द्वारा स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति होने से लोगों के शारीरिक एवं मानसिक स्थितियों में सुधार आया है–

(1) हाँ (2) नहीं

8. उपर्युक्त योजना संचालित होने से जल–जनित बीमारियों में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

9. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना के संचालन से इलाज हेतु खर्च में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

10. वर्णित योजना के संचालन से सभी आय एवं जाति समूह के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हुआ है–

(1) हाँ (2) नहीं

11. योजना के संचालन से गांव में सामाजिक एकता, सहकार एवं खुशहाली आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

12. वर्णित योजना के लागू होने के बाद से शादी–विवाह में परिवर्तन दृष्टिगोचर हुए हैं–

(1) हाँ (2) नहीं

13. रोजगार के उपलब्ध विविध विकल्पों में युवाओं का रूझान बढ़ा है–

(1) हाँ (2) नहीं

14. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से युवाओं के पलायन दर में कमी आयी है–

(1) हाँ (2) नहीं

15. ''हर घर नल–हर घर जल'' योजना से युवाओं के आत्मविश्वास में वृद्धि एवं अपने गांव के प्रति लगाव बढ़ा है–

(1) हाँ (2) नहीं

समाप्त